राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण शुक्रवार, 08मई2020 वर्ष–2, अंक –65 पृष्ठ–08 मूल्य –01 रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विशाखापत्तनम गैस रिसाव में मृतकों के परिजनों को मिलेंगे एक करोड़, मृतक संख्या 11 हुई

विशाखापत्तनम । आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम एल जी पॉलीमर लिमिटेड में हुए गैस रिसाव की घटना में मरने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक–एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने उक्त घोषणा करते हुए कहा कि एक समिति इस घटना की जांच करेगी, साथ ही राज्य सरकार एल जी पॉलीमर प्रबंधन से बात कर मृतक के परिजन को नौकरी देने की मांग करेगी। रेड्डी ने एक समीक्षा बैठक करने के बाद यह भी घोषणा की कि जो भी लोग इलाज के दौरान वेंटिलेटर पर हैं उन्हें 10 लाख रुपये दिए जाएंगे, जबकि गैस रिसाव के चलते स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करने के बाद बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में इलाज कराने वालों को 25,000 हजार रुपये दिए जाएंगे। इस बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने इस घटना में 11 लोगों की मौत होने की बात कही है।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले आंध्र मेडिकल कॉलेज में जिलाधिकारी विनय चंद एवं अन्य के साथ एक समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को बताया कि गैस का फैलाव रिसाव के मुख्य केंद्र से 1 |5 किमी

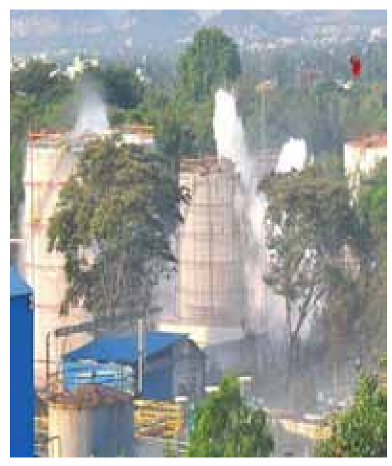

से दो किमी के क्षेत्र में सीमित कर दिया गया है और वहां से स्थानीय बाशिंदों को सुरक्षित रूप से दूसरी जगहों पर पहुंचा दिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गैस लीक के चलते विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को एक–एक लाख रुपये दिए जाएंगे। गैस लीक से प्रभावित हुए पांच गांवों की 15,000 आबादी (में प्रत्येक व्यक्ति) को दस–दस हजार रुपये दिए जाएंगे। रेड्डी ने भविष्य में इस तरह के हादसों को रोकने से जुड़ी सिफारिशें करने के लिये विशेष मुख्य सचिव (पर्यावरण एवं वन) की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने की भी घोषणा की।

इससे पहले वह किंग जॉर्ज अस्पताल गए और गैस लीक में मरने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने गैस लीक के बाद इलाज करा रहे पीड़ितों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

कोरोना ने 200 बार बदला रूप पहले की तुलना में फैलने की रफ्तार हो सकती है तेज

वाशिंगटन(ईएमएस)। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि को. विड–19 (कोरोना वायरस) के लिए जिम्मेदार सार्स–कोव–2 अब तक करीब 200 बार जेनेटिक बदलाव कर चुका है और यह लगातार मानव शरीर के साथ सामंजस्य बैठाने के लिए तेजी से अपने जींस में बदलाव कर रहा है। यह दावा वैश्विक स्तर पर 7500 से ज्यादा संक्रमित मरीजों के सैंपलों में मिले वायरस के जींस का विश्लेषण करने के बाद किया गया है। माना जा रहा है कि यह खोज इस जानलेवा महामारी की दवा और वैक्सीन बनाने में अहम मदद दे सकती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन का यह अध्ययन साइंस जर्नल 'इंफेक्शन, जेनेटिक्स एंड इवोल्यूशनऴ में प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन में वायरस के जीनोम की विविधता के पैटर्न की विशेषता को चिह्नित किया गया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि सार्स–कोव–2 की वैश्विक जेनेटिक विविधता का बड़ा हिस्सा कोरोना से बुरी तरह प्रभावित देशों में मौजूद था। यह फैलाव इन देशों में एक भी 'पेशेंट–0 (वह मरीज, जिससे महामारी की शुरुआत हुई थी अनुपस्थिति के बावजूद हो रहा था।

सावधानी ही सरल बचाव

कोरोना वायरस–दइेच;दुनियाभर में अपना संक्रमण फैलाने की हर संभव कोशिश कर रहा है। अमेरिका के लॉस अलामॉस नेशनल लैबोरेटरी के वैज्ञानिकों को पता चला है कि कोरोना के वायरस वाले 'स्पाइक प्रोटीनऴ में 14वां म्यूटेशन देखा गया है। ऐसे में इससे अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। पहले की तुलना में ये और अधिक खतरनाक हो सकता है। सावधानी ही सरल बचाव है। डॉ. बेट्ट का. र्बर ने 33 पन्ने की रिपोर्ट में कहा है कि ये खतरनाक क्षण है। हमने देखा है कि वायरस तेजी के साथ खतरनाक रूप के साथ म्यूटेट हो रहा है। महामारी फैलने के शुरुआती दिनों की तुलना में ये पूरी तरह अलग है। इसे देखकर ये कहा जा सकता है कि मार्च में जो वायरस का स्टेन था उससे वो अधिक खतरनाक हो गया है। वायरस जितनी अधिक आबादी के बीच फैलेगा स्थानीय स्तर पर संक्रमण का दायरा बढ़ेगा और इसके फैलने की रफ्तार भी पहले की तुलना में अधिक तेज होगी। हालांकि ये स्पष्ट नहीं किया है कि वायरस पहले से अधिक जानलेवा होगा या पुराने स्टेन की तरह ही जान पर भारी पड़ेगा। हां इतना जरूर है कि वायरस का पुराना रूप खत्म होगा और लोग नए तरह के संक्रमण की चपेट में आएंगे।

टीका बनाने के करीब पहुंचीं टीमों में निराशा

दुनियाभर से लिए गए छह हजार सैंपल की जेनेटिक सीक्वेसिंग का विश्लेषण करने के बाद वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। वायरस अगर इसी तरह से स्टेन बदलता रहा तो जो वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन बनाने के आखिरी चरण में हैं उन्हें निराशा हो सकती है। संभव है कि वायरस के स्टेन बदलने के कारण मरीजों पर उसका असर न हो। ऐसी स्थिति में वायरस के म्यूटेशन के साथ उसके इलाज और रोकथाम के तौर तरीकों पर विचार करना होगा।

कमजोर हो रहा वायरस

अमेरिका के एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी का दावा है कि वायरस समय के साथ कमजोर होगा और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता उसका मुकाबला कर सकेगी। 382 मरीजों के सैंपल के अध्ययन में वैज्ञानिकों को पता चला है कि एक सैंपल में बड़ी संख्या में वायरस का जेनेटिक मैटेरियल गायब था। 2003 के सार्स वायरस में भी ऐसा ही बदलाव देखने को मिला था जिसके बाद वो कमजोर हो गया था। कोरोना में अगर ऐसा है तो वो जल्द कमजोर होने के साथ खत्म हो जाएगा।

कम म्यूटेशन वाले जीनोम से बन सकती है वैक्सीन

वैज्ञानिकों ने 198 म्यूटेशन की पहचान की है, जो स्वतंत्र रूप से एक से अधिक बार दिखाई दिए हैं। इनसे यह पता लग सकता है कि वायरस कैसे फैल रहा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि जिन जीनोम के कुछ हिस्सों में बहुत कम म्यूटेशन हुआ है, उन्हें वैक्सीन बनाने के काम में लिया जा सकता है। बालोक्स ने कहा कि चुनौती यह है कि उसे रोकने वाला टीका या दवा क्या लंबे समय तक प्रभावी हो सकते हैं?

चीनी शोधकर्ता की अमेरिका में हत्या, को. विड–19 की वैक्सीन पर कर रहा था अनुसंधान

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। कोविड–19 पर अहम खोज करने के करीब पहुंचे एक चीनी अनुसंधानकर्ता की अमेरिका के पेनसिलवानिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। बुधवार को आई खबरों में यह बात कही गई। पुलिस के अनुसार पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के प्रोफेसर बिंग लिउ (37) शनिवार को उत्तरी पिट्सबर्ग की रॉस टाउनशिप में स्थित अपने घर में मृत पाए गए। उनके सिर, गर्दन, धड़ और हाथ–पैरों में गोलियों के निशान थे। जांच अधिकारियों का मानना है कि अपनी कार में मृत मिले 46 वर्षीय एक व्यक्ति ने लिउ की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर अपनी कार में लौटकर आत्महत्या कर ली। खबर के अनुसार अन्वेषण अधिकारी सार्जेंट ब्रियान कोहलेप ने कहा कि पुलिस का मानना है कि दोनों लोग एक–दूसरे को जानते थे, लेकिन इस

बात के कोई संकेत नहीं हैं कि लिउ की हत्या उनके चीनी होने की वजह से की गई। विश्वविद्यालय ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए लिउ के अनुसंधान कार्यों को याद किया। पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के सहकर्मियों ने कहा, 'लिउ सार्स–कोव–2 संक्रमण से जुड़े कोशिकीय तंत्र को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण खोज करने के करीब थे। वह बहुत ही प्रतिभावान और परिश्रमी थे।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन की चेतावनीः भारत के लिए खतरनाक हो सकती है लॉकडाऊन में ढील

जिनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लॉकडाउन में ढील को लेकर भारत सहित कुछ अन्य देशों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी देकर कहा है कि सरकारों को प्रतिबंधों में ढील देते समय बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य आपदा कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डॉ.माइकल जे. रेयान ने कहा कि लगभग सभी देशों में नए मामले बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ देशों में कम भी हो रहे हैं। संख्या के साथ ही उन देशों में इस महामारी से आसन्न खतरे को देखते हुए वह सबसे ज्यादा भारत, रूस, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, सूडान, फिलिस्तीन, यमन जैसे देशों तथा दक्षिण और मध्य अमेरिका जैसे क्षेत्रों को लेकर चिंतित हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले एक सप्ताह में अफगानिस्तान में का. रोना के मामले 76 प्रतिशत और सूडान में 145 प्रतिशत बढ़ गए हैं। फिलिस्तीन में कोरोना से होने वाली मौतों में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यमन में मामले कम हैं,लेकिन समुदाय के स्तर पर यह महामारी फैलनी शुरू हो गई है। यूरोप में नए मामले घट रहे हैं, लेकिन रूस में बढ़ रहे हैं। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश और भारत में मामले बढ़ रहे हैं। डब्ल्यूएचओ की तकनीकी प्रमुख मरिया वैन केरखोव ने कहा कि सिर्फ संख्या के आधार पर देशों की तुलना नहीं की जा सकती।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार एक देश जहां ज्यादा जांच की जा रही है और संख्या अधिक है और दूसरा देश जहां कम जांच हो रही है और संख्या कम है उनकी आपस में तुलना करना गलत होगा। उन्होंने कहा कि मामलों को तेजी से बढ़ने से रोकने के लिए कई देशों को लॉकडाउन लागू करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधों में ढील देते समय बेहद सावधानी बरतने की जरूरत है। उससे पहले स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना होगा और सरकारों को यह देखना होगा कि उनके पास संदिग्धों की पहचान, उनके संपर्क में आने वाले लोगों की पहचान और उनकी जांच तथा उन्हें क्वारंटाइन करने के पर्याप्त साधन हैं। यदि हमने इस वायरस को कोई भी मौका दिया तो इसका संक्रमण दोबारा बढ़ सकता है।

कोविड–19: अधिकारियों ने की चेतावनियों को नजरअंदाज अमेरिकी वैज्ञानिक का खुलासा

वाशिंगटन (ईएमएस)। ट्रंप प्रशासन के शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों को कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के संबंध में कई बार चेतावनी दी गई

जिनमें भारत और पाकिस्तान से आई मलेरिया रोधी दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन की कथित खराब गुणवत्ता के बारे में भी बताया गया था। यह दावा किया है अमेरिका के एक बर्खास्त वैज्ञानिक ने।

व्हिसल ब्लोअर्स की सुरक्षा संबंधी कार्यालय यूएस ऑफिस आफ स्पेशल काउंसेल के समक्ष शिकायत में रिक ब्राइट ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने खासतौर से हाइड्रोक्सी क्लोरोक्विन जैसी दवाइयां और निजी सुरक्षा उपकरण के संबंध में उनके तथा अन्य लोगों के संदेशों को बार–बार नजरअंदाज किया। जब ब्राइट को बर्खास्त किया गया तब वह स्वास्थ्य एवं मानव सेवा (एचएचएस) विभाग के साथ काम करने वाली अनुसंधान एजेंसी बायोमेडिकल एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट एजेंसी के प्रमुख थे। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने मलेरिया के इलाज में दशकों से इस्तेमाल होती आ रही दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन की करीब पांच करोड़ गोलियों का आयात किया था जिसे मार्च में अमेरिकी खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) से आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली थी। शिकायत में कहा गया है,

''डॉ ब्राइट पाकिस्तान और भारत से दवा के आयात को लेकर अत्यधिक चिंतित थे क्योंकि एफडीए ने दवा या उसे बनाने वाली फैक्ट्री का निरीक्षण नहीं किया।'' इसमें आरोप लगाया गया है कि जिन कारखानों की जांच नहीं हुई है वहां बनने वाली ये दवाएं मिलावटी हो सकती हैं और यह दवा को लेने वाले लोगों के लिए खतरनाक बात हो सकती है।

अधिकारी की मंजूरी मिलने पर ही यूएई से लौटेंगे वरना नहीं हो पाएगी स्वदेश वापसी

दुबई (ईएमएस)। सिर्फ उन भारतीयों को स्वदेश लौटने की इजाजत दी जाएगी जिन्हें देश के स्वास्थ्य अधिकारी मंजूरी देंगे और जिनमें कोरोना वायरस का कोई लक्षण नहीं होगा। यह कहना है संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में भारतीय दूतावास का। बता दें ? कि विदेश में फंसे भारतीयों को निकालने की कवायद आज से शुरू होगी। भारत सरकार ने सोमवार को सात मई से विदेश में फंसे अपने नागरिकों को चरणबद्ध तरीके से निकालने की योजना की घोषणा की थी। भारत के नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि एअर इंडिया कोरोना वायरस की वजह से लागू किए गए लॉकडाउन के कारण विदेश फंसे भारतीयों को निकालने के लिए 64 उड़ानों का संचालन करेगी। इनसे करीब 15,000 भारतीयों को स्वदेश लाया जाएगा।

यूएई में भारतीय राजदूत पवन कपूर ने कहा है कि यूएई में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए गुरुवार को दो विशेष उड़ानों का संचालन होगा। इसकी शुरुआत केरल के लोगों से होगी जिन्होंने यहां वतन वापसी के लिए पंजीकरण कराया था। यूएई में केरल के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। दूतावास/वाणिज्य दूतावास ने सात मई की दो उड़ानों के लिए यात्रियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है और टिकट जारी करने के लिए इसे एअर इंडिया एक्सप्रेस को भेजा है। जानकारी के अनुसार, यूएई से भारत लौटने के लिए 2000 से कम भारतीयों ने इच्छा जताई है। अबू धाबी में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कहा कि हवाई अड्डे के प्रस्थान पर रवाना होने वाले सभी यात्रियों को चिकित्सा स्क्रीनिंग और आईजीएम/आ. ईजीजी जांच करानी होगी और सिर्फ उनको ही विमान में सवार होने दिया जाएगा जिन्हें यूएई के स्वास्थ्य अधिकारी मंजूरी देंगे और जिनमें कोरोना वायरस का कोई लक्षण नहीं मिलेगा। दूतावास के मुताबिक, सभी यात्रियों को शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह स्वदेश पहुंच कर अनिवार्य रूप से पृथक–वास में जाएंगे और इसका खर्चा उठाएंगे।

6.8 तीव्रता के भूकंप के झटकों से हिला इंडोनेशिया, कोई हताहत नहीं

जकार्ता (ईएमएस)। पूर्वी इंडोनेशिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन इसमें किसी के घायल होने या किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली है। अमेरिकी भूगर्भ विज्ञान सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने कहा कि भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.8 थी और इसका केंद्र 107 किलोमीटर (67 मील) की गहराई में था।

भूकंप का केंद्र सौमलाकी से 205 किलोमीटर (128 मील) उत्तर–पश्चिम में स्थित है। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए और किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक क्षति नहीं हुई है। इंडोनेशिया की जनसंख्या 26 करोड़ है और यह प्रशांत महासागर के 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में आता है जिसके कारण अक्सर ज्वालामुखी, भूकंप और सुनामी की चपेट में रहता है।

1000 से ज्यादा कंपनियों को लुभाकर चीन से भारत लाने में जुटी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाभर में फैले इस जानलेवा वायरस के लिए चीन को जिम्मेदार ठहरा चुके हैं। अमेरिका और चीन के रिश्तों में आई कड़वाहट के बीच अब भारत सरकार चीन में बिजनेस कर रही 1000 से ज्यादा कंपनियों को लुभाने में लग गई है। एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सरकार ने अप्रैल में अमेरिका में विदेशी मिशन के जरिए 1,000 से अधिक कंपनियों से संपर्क किया और भारत में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन ऑफर किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की प्राथमिकता के केंद्र में मेडिकल इक्विपमेंट बनाने, फूड प्रॉसेसिंग, टेक्सटाइल्स, लेदर तथा ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियां हैं। लगभग 550 उत्पाद बनाने वाली कंपनियों को भारत में शिफ्ट करने को लेकर बातचीत चल रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कोरोना वायरस के लिए चीन को जिम्मेदारी ठहराए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में भारी कड़वाहट आने की आशंका है। इस वजह से अपने सप्लाई चेन को डायवर्सिफाई करने के लिए कंपनियां और सरकारें चीन से अपनी कंपनियों को दूसरे देशों में शिफ्ट कर सकती हैं। जापान ने घोषणा कि है कि वो चीन से अपनी फैक्ट्रियों को हटाने के लिए 2 |2 अरब डॉलर की मदद देगा। यूरोपीय संघ के देशों ने भी चीन के सप्लायर्स पर अपनी निर्भरता कम करने की योजना बनाई हैं।

एक अधिकारी का कहना है कि भारत को उम्मीद है कि वह चीन से हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स और डिवाइसेज बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों को भारत लाने में सफल होगा। इस सिलसिले में मेडट्रॉनिक पीएलसी और अबॉट लेबोरेट्रीज को चीन से भारत लाने के लिए बातचीत जारी है। खास बात ये है कि मेडट्रॉनिक और अबॉट लेबोरेट्रीज पहले से ही भारत में मौजूद हैं और उन्हें चीन से अपना प्लांट भारत शिफ्ट करने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। लॉकडाउन के दौरान होने वाले आर्थिक नुकसान को देखते हुए सरकार अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए कई कदम उठा सकती है। भारत में ट्रेड मिनिस्ट्री ने अमेरिकी कंपनियों से टैक्स और लेबर लॉ में अपेक्षित बदलावों को लेकर सुझाव मांगे हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्टर्स के डायरेक्टर जनरल और सीईओ अजय सहाय का कहना है कि भारत–वियतनाम और कंबोडिया से बड़ा मार्केट है, इन्वेस्टर्स को चीन से भारत लाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। लेकिन भूमि अधिग्रहण और बाकी अन्य चीजों से ज्यादा अहम ये है कि सरकार इस बात की गारंटी दे कि अर्थव्यवस्था को पीछे धकेलने वाले टैक्स बदलाव नहीं किए जाएंगे। मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने पिछले साल नई फैक्ट्रियां लगाने वालों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स को घटाकर 17 फीसदी कर दिया था, ये दक्षिण–पूर्व एशिया में सबसे कम दर है। इसके अलावा एक बड़े फैसले के तहत कॉर्पोरेट टैक्स को घटाकर 25.17 फीसदी किया था।

सुधबुध खोकर सड़कों पर घूम रहा साफ्टवेयर इंजिनियर वापस घर लौटा

उड़ीसा का रहने वाला था युवक, हरिद्वार में दो माह से था फंसा

युवक की देखभाल कर रहा था होटल स्वामी, भाई ने किया आभार

हरिद्वार, 07 मई। पिछले दो माह से लॉकडाउन में फंसा उड़ीसा का साफ्टवेयर इंजिनियर आज भाई के साथ वापस घर लौट गया। बताया जा रहा है कि साफ्टवेयर इंजिनियर लॉकडाउन में अपनी सुधबुध खोकर सड़कों पर मारा मारा घूम रहा था। जिसकी मदद रेलवे रोड स्थित एक खाने का होटल चलाने वाला युवक कर रहा था। जिसकी सूचना पर पुलिस हरकत में आयी और युवक की मदद करने का प्रयास किया। लेकिन वह पुलिस के साथ जाने को तैयार नहीं हुआ, जिस कारण पु. लिस ने होटल संचालक पर उसकी देखभाल का जिम्मा सौप कर उसके परिजनों की तलाश शुरू की गयी। परिजनों की तलाश में भी होटल संचालक ने अहम भूमिका निभाते हुए उसके भाई को खोज निकाला और मामले की जानकारी दी। जिसके बाद साफ्टवेयर इंजिनियर का भाई हरिद्वार पहुंचा, जिसने पुलिस और होटल संचालक का आभार जताते हुए अपने भाई को साथ ले गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

8 मई विश्व रेडक्रॉस दिवस

वैश्वीकरण के इस जमाने में तेल और परमाणु हथियारों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए युद्ध की बढ़ती आशंका और समय–समय पर भूकंप, तूफान और इसी तरह की अन्य अप्रत्याशित प्राकृतिक आपदाओं के समय पेश आने वाले मुश्किल हालात से निपटने में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस जैसी संस्था का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

जहाँ तक भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का सवाल है, इसकी स्थ. ापना 1920 में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम के तहत की गई थी और उसके नौ साल बाद इसकी गतिविधियों को ध्यान में रखकर अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस आंदोलन ने इसे अपनी मान्यता दी

अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी की एक रिपोर्ट के अनुसार एशिया के कुछ देशों में पिछले कुछ सालों के दौरान आई भयंकर बाढ़ और सुनामी लहरों के तांडव तथा अमेरिका में कैटरीना तूफान के दौरान और उसके बाद अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस ने जो भूमिका निभाई उससे उसका महत्व और अधिक बढ़ गया है।

सचाई तो यह है कि आज की विकट परिस्थितियों में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस जैसी संस्था पूरे विश्व की जरूरत बन गई है जो आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त की तरह मदद का हाथ बढ़ाती है।

वर्तमान समय में दुनिया में युद्ध के तरीकों और कारणों में बड़ा अंतर आ चुका है। अब युद्ध के दौरान सैनिकों की सहायता के साथ ही प्राकृतिक या मानवीय आपदाओं के शिकार लगों को राहत एवं मदद पहुँचाने में भी रेडक्रॉस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आज दुनिया के किसी भी भाग में प्राकृतिक या मानवीय आपदा में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस की टीम सबसे पहले पहुँचकर राहत कार्य में जुट जाती है। वर्तमान समय और परिस्थितियों में इस संस्था का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय स्वंयसेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग 150 वर्षों से पूरे विश्व में रेडक्रॉस के स्वंय सेवक असहाय एवं पीड़ित मानवता की सहायता के लिए काम करते आ रहे हैं। भारत में वर्ष 1920 में पार्लियामेंट्री एक्ट के तहत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ, तब से रेडक्रॉस के स्वंय सेवक विभिन्न प्रकार के आपदाओं में निरंतर निस्वार्थ भावना से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस ने इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस का अपने अन्दर के स्वयं सेवक को पहचानें नारा दिया है। विश्व के लगभग दो सौ देश किसी एक विचार पर सहमत हैं तो वह है रेडक्रॉस के विचार। युद्ध के मैदान में घायल सैनिकों की चिकित्सा के साथ प्रकृति के महाविनाश के बीच फंसे लोगों की मदद के लिए हमेशा डटा रहता है रेडक्रॉस।

पीड़ित मानवता की सेवा बिना भेदभाव के करते रहने का विचार देने वाले तथा रेडक्रॉस अभियान को जन्म देने वाले महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेन्ट का जन्म 8 मई 1828 में हुआ था। उनके जन्म दिवस 8 मई को विश्व रेडक्रॉस दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। उन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया और पूरे विश्व के लोगों को मानवतावादी सेवक के रूप में स्थापित करने के लिए प्रेरित किया। सेवा कार्य के लिए उनके द्वारा गठित सोसायटी को रेडक्रॉस का नाम दिया गया। वर्तमान में विश्व के 186 देशों में रेडक्रॉस सोसायटी कार्य कर रही है। वर्ष 1901 में हेनरी डयूनेंट को उनके मानव सेवा के कार्यों के लिए पहला नोबेल शांति पुरस्कार मिला। युद्ध में घायल सैनिकों की स्थिति से विचलित हेनरी डयूनेन्ट ने 9 फरवरी 18को जेनेवा में पांच लोगों की एक कमेटी बनाई। हेनरी की इस परिकल्पना का नाम था 'इंटरनेशनल कमेटी फॉर रिलीफ टू द उन्डेड'। उसी वर्ष अक्टूबर में जेनेवा में ही एक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसमें 18 विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसी में रेडक्रॉस को अमली जामा पहनाने का मसौदा तैयार किया गया।

इस संस्था की पहचान के लिए सफ़ेद पट्टी पर लाल रंग के क्रास चिह्न को मान्यता दी गई। आज यह चिह्न पूरे विश्व में पीड़ित मानवता की सेवा का प्रतीक बन गया है। इसके साथ यह भी अतिमहत्त्वपूर्ण है कि विश्व का पहला ब्लड बैंक रेडक्रॉस की पहल पर अमेरिका में 1937 में खुला। आज विश्व के अधिकांश ब्लड बैंकों का संचालन रेडक्रॉस एवं उसकी सहयोगी संस्थाओं के द्वारा किया जाता है। रेडक्रॉस द्वारा चलाए गए रक्तदान जागरूकता अभियान के कारण हीआज थैलेसिमिया, कैंसर, एनीमिया जैसी अनेक जानलेवा बीमारियों से हजारों लोगों की जान बच रही है।

इस दिवस को बहुत ही सम्मान से मनाया जाकर मानव सेवा को याद किया जाता हैं

(विचार–मंथन)

आतंक का खात्मा

कश्मीर घाटी में पिछले कुछ महीनों में आतंकी घटनाओं में जिस तेजी से इजाफा हुआ है, वह चिंतित करने वाला है। यह तो अच्छा है कि आतंक का पर्याय बने हिज्बुल मुजाहिदीन के टॉप कमांडर रियाज नायकू को एनकांउटर में ढेर कर दिया गया है। इसे हंदवाड़ा में भारतीय जवानों की शहादत का बदला माना जा रहा है। पुलवामा में जारी एनकाउंटर के बीच श्रीनगर में मोबाइल और इंटरनेट सेवा भी बंद कर दी गई है। इसके अलावा अवंतिपोरा के शरशाली खिरयू में भी दो आतंकियों को मार गिराया गया है। भारतीय सेना ने नायकू के सिर पर 12 लाख रुपए का इनाम रखा था। उसने घाटी में लंबे समय से दहशत फैला रखी थी। सब्जार बट की मौत के बाद रियाज को हिज्बुल का कमांडर बनाया गया था। बुरहान वानी के बाद वह घाटी में आतंक का नया पोस्टर बॉय बन गया था। रियाज बुरहान वानी के कोर ग्रुप का मेंबर था और बुरहान के मारे जाने के बाद उसे ही टॉप कमांडर बनाए जाने की चर्चा थी। पिछले साल उसने धमकी भरा ऑडियो जारी किया था। वीडियो में उसने घाटी में जेल स्टाफ पर हमले की धमकी दी थी। बहरहाल, आए दिन सेना और सुरक्षाबलों के साथ आतंकियों की मुठभेड़ें बता रही हैं कि इनके नेटवर्क फिर से सक्रिय हो गए हैं और पहले की तरह हमलों को अंजाम देने में जुट गए हैं। रविवार को कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में ग्रामीण बंधकों को आतंकियों के चंगुल से छुड़ाने के दौरान सेना के एक कर्नल और एक मेजर सहित पांच जवान शहीद हो गए। पर संतोष की बात की यह है कि इन बहादुरों ने अपनी जान दांव पर लगा कर सभी 11 बंधकों को बचा लिया था। जम्मू–कश्मीर में पिछले साल अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि आने वाले दिनों में घाटी में आतंकी गतिविधियां कमजोर पड़ेंगी। माना जा रहा था कि घाटी में जिस व्यापक स्तर पर सेना और सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ाई गई है, उससे आतंकियों के हौसले पस्त पड़ेंगे। कुछ समय ऐसा होता नजर आया भी और लगा कि आतंकी गतिविधियां बंद हो गई हैं। लेकिन सरकार ने जब से घाटी में पाबंदियों में ढील दी है, तब से आतंकी फिर से सिर उठाने लगे हैं। दरअसल, घाटी में सबसे बड़ी समस्या यह है कि आतंकी संगठनों ने गांव–गांव में अपनी जड़ें जमा ली हैं।

ग्रामीणों को डरा–धमकाकर वे सारी सूचनाएं बटोरते हैं और सेना पर हमले करते हैं। पिछले कुछ सालों में घाटी में जो आतंकी घटनाएं हुई हैं, उनका संचालन ग्रामीण इलाकों और जंगलों से होता रहा है। कश्मीर घाटी की भौगोलिक स्थिति भी कम जटिल नहीं है। हंदवाड़ा, जहां हाल में यह मुठभेड़ हुई है, ग्रामीण इलाका ही है। इसी दिन पुलवामा के एक गांव में भी तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए थे।

इसमें कोई शक नहीं कि सेना और सुरक्षाबलों के सघन तलाशी अभियान से आतंकी संगठनों के पसीने छूट रहे हैं। इसलिए वे अब जो हमले कर रहे हैं, वे हताशा का परिणाम ही हैं। आतंकी संगठन इस रणनीति पर चल रहे हैं कि हमलों से सेना और नागरिकों का मनोबल टूटेगा। अभी तक जितने ऐसे हमले हुए हैं, उनमें लश्कर और जैश के ही आतंकी ज्यादा निकले हैं। हंदवाड़ा के हमले में जो आतंकी मारा गया है, वह अपने साथ सीमापार से आतंकियों के दस्ते को कश्मीर में घुसाने की तैयारी में था।

पाकिस्तानी सेना पिछले कुछ समय से 200 से ज्यादा आतंकियों को भारत में घुसाने की कोशिश में है और इसके लिए उसने बाकायादा भारतीय सीमा के करीब शिविरों में आतंकियों को तैयार कर रखा है लेकिन सीमा पर कड़ी चौकसी के कारण यह मुश्किल साबित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों में सीमापार से गोलीबारी की घटनाएं बढने़ के पीछे एक वजह इन आतंकियों को घुसाने की भी है। ऐसे में भारतीय सेना के सामने सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण इलाकों से आतंकियों का सफाया करने की है। जब तक गांवों से आतंकी नेटवर्क का खात्मा नहीं होगा, तब तक घाटी में शांति की उम्मीद नहीं की जी सकती।

(विचार–मनन)

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर–बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, 'महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?'

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, 'देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख–दुख और उन्नति–अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग–विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे–धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है।' ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

दैनिक पंचांग

08 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	5.48 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	7.46 बजे से
मंगल	कुंभ में	कर्क	10.00 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.16 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.28 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.39 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	18.53 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	21.09 बजे से
केतु	धनु में	मकर	23.14 बजे से
राहुकाल		कुंभ	1.01 बजे से
10.30 से		मीन	2.34 बजे से
12.00 बजे तक		मेष	4.04 बजे से

शुक्रवार 2020 वर्ष का 129 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2077 **शक संवत्** 1942
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 13.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 8.38 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 12.56 बजे को समाप्त।
करण कौलव 13.02 बजे तदनन्तर तैतिल 23.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 09'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1870512
जूलियन दिन 2458977.5
कलियुग संवत् 5121
कल्पारंभ संवत् 1972949121
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885121
वीरनिर्वाण संवत् 2546
हिजरी सन् 1441
महीना रमजान **तारीख** 14
विशेष ज्येष्ठ प्रारम्भ(उत्तर), नारद जयन्ती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लॉफिंग ज़ोन

तीन दोस्त पहली बार शहर जाते हैं। जाते ही एक सुंदर इमारत देख कर खुश होते हैं और इमारत को घसीट कर गांव ले जाने का प्रोग्राम बनाते हैं। तीनों इमारत को धक्का लगाना शुरू करते हैं। काफी थक जाने के बाद पसीना आ जाता है तो कपड़े उतार कर रख देते हैं ओर फिर धक्का लगाना शुरू कर देते हैं। पीछे से चोर कपड़े उठा कर भाग जाता है। थोड़ी देर बाद जब तीनों आदमी कपड़े न देख कर खुश होकर उछलते हैं और कहते हैं,देखो हम तीनों इमारत को कितना आगे ले आए हमारे कपड़े पीछे रह गए। हा --हा-- हा।

☺ ☺ ☺

अध्यापक, "राम, कोई ऐसा उपाय बताओ कि आदमी के बाल सफेद न हों।"
राम, "उस आदमी को गंजा कर दो।"

☺ ☺ ☺

पुत्र (पिता से), "पिताजी, मैं आपको अपनी शादी में नहीं ले जाऊंगा।"
पिता, "क्यों बेटे।"
पुत्र, "आप मुझे अपनी शादी में जो नहीं ले गए थे।"

☺ ☺ ☺

मुन्ना (गर्व से), "मेरे पिताजी जब पिक्चर हाल पहुंचते हैं तभी गेट खुलता है।"
सोनी (आश्चर्य से), "तो क्या तुम्हारे पिता मैनेजर हैं?"
मुन्ना, "नहीं गेटकीपर हैं।

आज का इतिहास 8 मई

1828 अंतराष्ट्रीय रेडक्रास के संस्थापक हेनरी डुनांट का जन्म हुआ.
1884 अमरीकी राष्ट्रपति हैरी एस.थुमन का जन्म हुआ.
1921 स्वीडन ने मौत की सजा समाप्त कर दी गई.
1945 द्वितीय विश्व युद्ध में यूरोप में विजय दिवस मनाया गया.
1963 भारतीय रेडक्रास की शताब्दी समारोहों का आयोजन हुआ.
1987 इरान, इराक युद्ध में पहली बार सोवियत मालवाहक पर हमला हुआ.
1989 अमरीकी अंतरिक्ष शटल अटलांटिस कैलीफोर्निया के के. मोजेव रेगिस्तान में सुरक्षित उतरा.
1990 एस्टोनिया ने खुद को गणराज्य घोषित किया.
1991 समुद्री तूफान से ढाका में 45 व्यक्ति मारे गये.
1995 अंग्रेजी दैनिक ट्रिब्यून के एक पूर्व मुख्य संपादक प्रेम भाटिया का निधन.
1997 राजीव गांधी हत्या के छ: वर्ष के बाद उनकी पत्नी सोनिया गांधी ने कांग्रेस दल की प्रारंभिक सदस्यता ग्रहण की.
1998 पूर्वोत्तर विकास परिषद में सिक्किम को शामिल किया गया. पूर्वोत्तर राज्यों को पड़ोसी देशों से व्यापार की सुविधा.
2002 शिवसेना नेता और भारी उद्योगमंत्री मनोहर जोशी लोकसभा के नये अध्यक्ष बने.

आज का कार्टून।

प्रसंगत: मेहनत की कमाई

काशी में एक कर्मकांडी पंडित का आश्रम था, जिसके सामने एक जूते गांठने वाला बैठता था। वह जूतों की मरम्मत करते समय कोई न कोई भजन जरूर गाता था। लेकिन पंडित जी का ध्यान कभी उसके भजन की तरफनहीं गया था। एक बार पंडित जी बीमार पड़ गए और उन्होंने बिस्तर पकड़ लिया। उस समय उन्हें वे भजन सुनाई पड़े। उनका मन रोग की तरफ से हट कर भजनों की तरफचला गया। धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि जूते गांठने वाले के भजन सुनते-सुनते उनका दर्द कम हो रहा है। एक दिन एक शिष्य को भेज कर उन्होंने उसे बुलाया और कहा, 'भाई तुम तो बहुत अच्छा गाते हो। मेरा रोग बड़े-बड़े वैद्यों के इलाज से ठीक नहीं हो रहा था लेकिन तुम्हारे भजन सुन कर मैं ठीक होने लगा हूं।' फिर उन्होंने उसे सौ रुपये देते हुए कहा, 'तुम इसी तरह गाते रहना।' रुपये पाकर जूते गांठने वाला बहुत खुश हुआ। लेकिन पैसा पाने के बाद से उसका मन कामकाज से हटने लगा। वह भजन गाना भूल गया। दिन-रात यही सोचने लगा कि रुपये को कहां संभालकर रखे। काम में लापरवाही के कारण उसके ग्राहक भी उस पर गुस्सा करने लगे। धीरे-धीरे उसकी दुकानदारी चौपट होने लगी। उधर भजन बंद होने से पंडित जी का ध्यान फिर रोग की तरफजाने लगा। उनकी हालत फिर बिगड़ने लगी। एक दिन अचानक जूते गांठने वाला पंडित जी के पास पहुंचकर बोला, 'आप अपना पैसा रख लीजिए।' पंडित जी ने पूछा, 'क्यों, क्या किसी ने कुछ कहा तुमसे?' जूते गांठने वाला बोला, 'कहा तो नहीं, लेकिन इस पैसे को अपने पास रखूंगा तो आप की तरह मैं भी बिस्तर पकड़ लूंगा। इसी रुपये ने मेरा जीना हराम कर दिया। मेरा गाना भी छूट गया। काम में मन नहीं लगता, इसलिए कामकाज ठप हो गया। मैं समझ गया कि अपनी मेहनत की कमाई में जो सुख है, वह पराये धन में नहीं है। आपके धन ने तो परमात्मा से भी नाता तुड़वा दिया।'

काकुरो पहेली - 5105

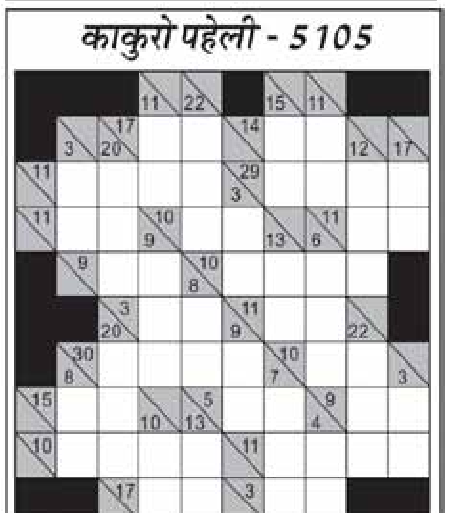

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

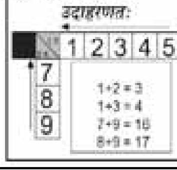

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 5104 का हल

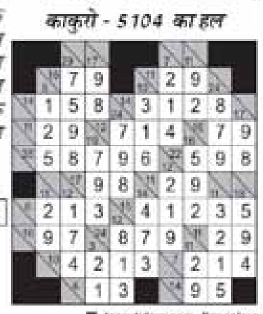

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

राजकाज

गैस कांड किसकी लापरवाही

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित एक प्लांट में अचानक केमिकल गैस लीक होने से बड़ा हादसा हो गया। इस हादसे में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए हैं। इस घटना ने भोपाल गैस कांड की याद ताजा कर दी है। गैस कैसे फैली, अभी इसका पता नहीं लगा है, मगर इतना जरूर है कि यह लापरवाही का बड़ा उदाहरण है। दोषी लोगों की पहचान कर उन्हें सजा देनी होगी। इस घटना ने ऐसे समय पूरे देश का ध्यान खींचा है, जब कोरोना का संक्रमण पूरी ताकत से लोगों को घेर रहा है।

चीन को स्पेस की चिंता

दुनिया कोरोना महामारी से निपटने के लिए परेशान है। उधर, चीन ने इस महामारी पर काबू करने के बाद अंतरिक्ष की तरफ कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। चीन ने एक नया रॉकेट और प्रोटोटाइप अंतरिक्षयान सफलतापूर्वक लॉन्च किया। एक स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन को संचालित करने और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने के लिए यह देश की महत्वाकांक्षी प्रमुख परीक्षा थी। लेकिन जिस चीन की वजह से आज पूरी दुनिया कोरोना की मार से जूझ रही है, उसे क्या स्पेस पर ध्यान लगाना चाहिए था।

विदेशों में फंसे भारतीय

कोरोना महामारी के कारण दुनिया के कई देशों में फंसे लाखों भारतीयों को स्वदेश वापसी के लिए अब तक का सबसे बड़ा वंदे भारत मिशन शुरू हो चुका है। अपने तरह के सबसे बड़े ऑपरेशन के पहले सप्ताह में 12 देशों से 15 हजार से ज्यादा लोगों को भारत लाया जाएगा। यह मिशन पहले किए गए बचाव कार्य के बिल्कुल अलग और बड़ा है। सरकार का यह काम सराहनीय है, लेकिन देश में यहां–वहां फंसे लोगों की चिंता करना भी तो सरकार का काम है।

नायकू का मारा जाना

हिज्बुल के कमांडर रियाज नायकू को मारा जाना सेना के लिए बड़ी सफलता है। नायकू घाटी में पोस्टर ब्वॉय था और युवाओं का चहेता था। कई बार उसे पत. थरबाज बचा भी चुके थे। अब नायकू के मारे जाने के बाद हिज्बुल शांत नहीं बैठेगा और कोई न कोई हरकत करेगा। लिहाजा सेना को ज्यादा सतर्क रहना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्पीड़न के विरूद्ध पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन, मनगढन्त मुकदमा वापस लेने की मांग

बस्ती। उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन (पंजीकृत) और प्रेसक्लब ऑफ यूपी के बैनर तले जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्र की अगुवाई में पत्रकारो पर लगाये गये फर्जी मुकदमें वापस लिये जाने के सम्बन्ध में तथा गलत कृत्यों से जिला प्रशासन को गुमराह करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने की मांग को लेकर पत्रकारो के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी को सम्बोधित मांगो का ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर पत्रकार हितो की रक्षा की आवाज उठाई ।

बताते चले कि पत्रकार हेमन्त पाण्डेय तथा धर्मेन्द्र कुमार ने कान्हा गौशालाओ की दयनीय स्थिति पर 20 अप्रैल 2020 को खबर का प्रकाशन किया था। खबरो का प्रकाशन किया था किन्तु मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने सम्बन्धित पत्रकारो पर बिना तथ्यों की जांच किये मुकदमा दर्ज करवा दिया। बताते चले कि खबर प्रकाशन के बाद विधायक रूधौली के प्रतिनिधि ने भी अपने क्षेत्र के रामनगर ब्लाक स्थित लोढ़वा ग्राम पंचायत में स्थापित कान्हा गौशाला में गायो की बेहद दयनीय दुर्दशा का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर स्थितियों को उजागर किया तथा सांसद प्रतिनिधि सुनील सिंह ने दुबौलिया स्थित रमना तौफीर गौशाला जाकर गायो की दयनीय स्थिति का वीडियो बनाकर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के दांवो पर सवाल उठाये थे।

जिलाधिकारी को भेजे गये ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि गायो की दुर्दशा का वीडियों सोशल मीडिया पर साझा किया गया तथा विभिन्न समाचार पत्रों ने खबरो का प्रकाशन कर खबरो की प्रमाणिकता पर मुहर लगा दिया है। पत्रकारों ने चेतावनी दिया है कि पत्रकारो का उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जायेगा। जिस प्रकार से सही खबर से क्षुब्ध होकर मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने भ्रष्टाचार और अव्यवस्था को छुपाने के लिए सच्ची खबर लिखने वाले पत्रकारो पर बिना किसी पूर्व नोटिस या साक्ष्य प्रस्तुत करने की बात न करके फर्जी मुकदमा दर्ज करवाया गया है, यह सच को दबाने तथा पत्रकारो को भयभीत करने की कोशिश है।

ज्ञापन में जिलाधिकारी से मामले को संज्ञान में लेकर जनसन्देश टाइम्स के पत्रकार एवं जिला महासचिव हेमन्त पाण्डेय और पत्रकार धर्मेन्द्र कुमार के विरूद्ध कोतवाली में दर्ज मुकदमें को न्यायहित एवं जनहित में समाप्त कराकर अपने गलत कृत्यों से जिला प्रशासन को गुमराह करने वाले सम्बन्धित के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही करने की मांग किया है। ज्ञापन सौंपने वालो में पत्रकार दिनेश मिश्र, अभय देव शुक्ल, राजकुमार पाण्डेय, हेमन्त पाण्डेय, अंकुर श्रीवास्तव, तबरेज खान,धर्मेन्द्र कुमार, अमित तिवारी आदि शामिल रहे।

बस्ती उत्पीड़न के विरूद्ध पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन, मनगढन्त मुकदमा वापस लेने की मांग

मऊ में मनरेगा में बिना निर्माण कराए ही भुगतान की शिकायत पर निर्माण जोरों पर

मऊ। विकास खंड रतनपुरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत बिना निर्माण कराए ही कागजी सस्थाओं के सहारे सामग्री मंद से लाखों लाख का भुगतान किए जाने की खबर है। एजेंसी ने मजदूर दिवस के ही दिन आयुक्त ग्राम्य विकास को मेल करते हुए जिलाधिकारी को जांच कर कार्यवाही की अपेक्षा से एक शिकायती पत्र दिया था। बहरहाल मामले को जिलाधिकारी ने गुरूवार को गंभीतरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार विकास खड रतनपुरा के हलधरपुर, करउत, चकरा सम्हरूआ जैसे गांवों सहित अधिकांश गांवों में खड विकास अधिकारी ने लिफाफा लेकर लाखों लांख का भुगतान कर दिया गया। यह भुगतान मनरेगा योजना के सामग्री मद में भुगतान किया गया । इसमें जिन संस्थाओं को भुगतान के लिए आधार बनाया गया जो आज भी धरातल होने की जगह कागज पर है। एजेंसी ने जब शिकायत कर मामले में जांच की गुहार लगाई तो खंउ विकास अधिकारी ने ग्राम प्रधानों से यह कह कर कि सोमवार तक जांच टीम इलाके मे प्रवेश कर जाएंगी निर्माण कार्यो को धार में जुटे देखे गए। इस पूरे खेल में खंड विकास अधिकारी की सलिप्तता देखी जा रही है। बहरहाल मामले की जांच तकनीकी तौर पर होगी तभी सरकारी धनों की बंदरबांट करने वालों पर नकेल कसने की संभावना है।

मऊ में मनरेगा में बिना की शिकायत पर निर्माण निर्माण कराए ही भुगतान जोरों पर

यूपी में जानबूझकर संक्रमित करने पर उम्रकैद

लखनऊ । यूपी लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश में सरकार ने कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान किए हैं। अधिनियम के तहत अगर कोई व्यक्ति किसी को जानबूझकर बीमारी से संक्रमित करता है और उसकी मौत हो जाती है तो आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। अध्यादेश में व्यवस्था की गई है अगर कोई व्यक्ति किसी को संक्रामक रोग से जानबूझकर उत्पीडित करता है तो उसे 2 से 5 साल तक की जेल और 50 हजार से 2 लाख तक का जुर्माना वसूला जा सकता है। अगर जानबूझकर कोई 5 या अधिक व्यक्तियों को संक्रमित कर उत्पीडित करता है तो उसे 3 से 10 साल तक जेल हो सकती है।

साथ ही 1 लाख से 5 लाख तक जुर्माने का प्रावधान है। अगर इस उत्पीडऩ की वजह से मौत हुई तो तो कम से कम 7 साल की सजा और अधिकतम आजीवन कारावास तक हो सकता है। वहीं 3 लाख से 5 लाख रुपए जुर्माने की भी सजा तय की गई है।

अंतिम संस्कार की प्रक्रिया तय कर सकेगी सरकार

अध्यादेश में यह भी शक्ति दी गई है कि सरकार पीडित व्यक्तियों के मृत शरीरों के निस्तारण या अंतिम संस्कार की प्रक्रिया भी निर्धारित कर सकती है। अगर किसी व्यक्ति या किसी संगठन के जानबूझकर या उपेक्षापूर्ण आचरण से नुकसान होता है तो उसकी वसूली भी उसी से की जाएगी। अगर इस कृत्य से कसी की मौत हो जाती है तो दोषी से सरकार के दिए गए मुआवजे के बराबर वसूली की जा सकेगी।

सिटी मजिस्ट्रेट ने आश्रय स्थलों का किया निरीक्षण

सीतापुर की रिपोर्ट । लहरपुर तहसील सीतापुर के सिटी मजिस्ट्रेट ने तहसील क्षेत्र लहरपुर में बनाए गए आश्रय स्थलों का गहनता से निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने क्वॉरेंटाइन किए गए लोगों से हाल–चाल जाना है सिटी मजिस्ट्रेट पूजा मिश्रा ने बुधवार को नगर क्षेत्र के नजदीक स्थित सेंट बिलाल इंटर कॉलेज में बनाए गए आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया इस आश्रय स्थल पर 76 लोगों को को रनटाइम किया गया था जिनमें से 57 लोगों की रिपोर्ट निकली तू आने के बाद तहसील प्रशासन द्वारा राहत किस देकर आगामी 14 दिनों के लिए ओम क्वॉरेंटाइन किया जा चुका है अभी विशेष 19 लोग आश्रय स्थल पर मौजूद हैं सिटी मजिस्ट्रेट ने सभी से अलग–अलग खाने–पीने और रहने के संबंध में पूछताछ की उन्होंने रसोई का भी निरीक्षण किया और मौजूद लोगों से मेमो की पूरी जानकारी ली इस अवसर पर तहसीलदार मदन मोहन वर्मा खंड शिक्षा अधिकारी रंजीत कुमार कानूनगो यादव जी फार्मासिस्ट आईएस वर्मा सहित लेखपाल व स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रहे

बस या ट्रेन में कोरोना पॉजिटिव मरीज के सफर करने पर होगी जेल

नोएडा । नोएडा पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने कहा कि कोरोना मरीज यदि किसी भी सार्वजनिक परिवहन में यात्रा करेगा तो उसे तीन साल की जेल और 2 लाख रु तक का जुर्माना भरना होगा। अब क्वारंटाइन सेंटर में भर्ती कोई भी मरीज कोरोना वॉरियर्स के साथ अभद्रता नहीं कर सकेगा और यदि कोई मरीज ऐसा करता है तो पुलिस उससे सख्ती से निपटेगी। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक के बाद बनाए गए नए कानून के संबंध में पुलिस अधिकारियों को जानकारी देते हुए इसका पालन कराने के निर्देश दिए और

कहा कि कोरोना वॉरियर्स की सुरक्षा के लिए सरकार ने यह कानून बनाया है, जिसका पालन पुलिस कराएगी। क्वारंटाइन का उल्लंघन करने पर एक से तीन साल की सजा और जुर्माना दस हजार से एक लाख तक का होगा। इसके अतिरिक्त अस्पताल से भागने वालों के खिलाफ एक वर्ष से तीन वर्ष सजा और जुर्माना दस हजार रुपये से लेकर एक लाख तक होगा। अश्लील एवं अभद्र आचरण करने पर एक से तीन साल की सजा और 50 हजार से एक लाख रुपये तक के जुर्माने और लॉकडाउन तोड़ने तथा इस बीमारी को फैलाने वालों के लिए भी कठोर सजा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अगर कोरोना का कोई मरीज स्वयं को छिपाएगा तो उसे 1 से लेकर 3 वर्ष की सजा हो सकती है और 50 हजार रुपये से एक लाख तक का जुर्माना देय होगा। स्वास्थ्य कर्मियों, पैरा मेडिकल कर्मियों, पुलिस कर्मियों, स्वच्छता कर्मियों के साथ ही शासन द्वारा तैनात किसी भी कोरोना वॉरियर्स पर किए गए हमले या बदसलूकी पर छह माह से लेकर सात साल तक की सजा का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही 50 हजार रुपये से लेकर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। कोरोना वॉरियर्स पर थूकने, किसी तरह की गंदगी फेंकने और क्वारंटाइन के दौरान आइसोलेशन तोड़ने और इनके खिलाफ हमले या बदसलूकी के लिए भड़काने वाले पर भी कड़ी कार्रवाई होगी। इसके लिए 2 से 5 वर्ष तक की सजा और 50 हजार से 2 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया है।

लॉकडाउन के 42वें दिन सूरत से बांदा पहुंचे 1230 श्रमिक

बांदा । देश में कोरोना महामारी के बाद लागू लॉकडाउन की वजह से अन्य राज्यों में फंसे मजदूरों व कामगारों की घर वापसी शुरू हो गई है। इसी क्रम में गुजरात के सूरत से 1230 श्रमिकों को लेकर स्पेशल ट्रेन बांदा पहुंची। लॉकडाउन के 42वें दिन अपने घर पहुंचने की खुशी सभी के चेहरे पर साफ़ नजर आ रही थी। बताय जा रहा है कि सभी मजदूर बांदा, महोबा, फतेहपुर और चित्रकूट जनपद के हैं। स्टेशन पर सभी की थर्मल स्कैनिंग के बाद इनके–इनके गृह जनपद के लिए बसों से रवाना किया गया। इन सभी लोगों को अपने गृह जनपद में 14 दिन की क्वारंटाइन पीरियड को पूरा करना होगा। इस मामले की जानकारी देते हुए एडीएम बांदा संतोष बहादुर सिंह ने बताया कि सरकार की गाइडलाइन के अनुसार 1230 श्रमिक व कामगार सूरत से बांदा आए हैं। इन सभी को ट्रेन से उतारने के बाद इनकी थर्मल स्कैनिंग कराई गई। अगर कोई संदिग्ध मिला तो उसकी कोरोनावायरस की जांच कराई जाएगी। बता दें कि बांदा जिला प्रशासन ने 58 का. `रेंटिन सेंटर और शेल्टर होम बनाए हैं, जिसमें इन तमाम मजदूरों को शिफ्ट करने की व्यवस्था की गई है। इस दौरान रेलवे स्टेशन बांदा में डीएम अमित बंसल, एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा के साथ तमाम पुलिस और प्रशासन के अधिकारी रेलवे कर्मचारी भी मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने बताया कि अब तक प्रदेश में लगभग 65 हजार कामगारों और छात्र–छात्राओं को लाया गया या एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा गया। विभिन्न राज्यों से 10 से अधिक ट्रेन प्रवासी कामगारों एवं श्रमिकों को लेकर प्रदेश में आ चुकी है। अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि प्रदेश में 58906 ग्राम पंचायतों में से 37694 ग्राम पंचायतों में मंरेगा का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है, जिसमें 1546896 अकुशल श्रमिक कार्य कर रहे हैं।

भूमि विवाद में घर में घुसकर हमला, युवती की गर्दन काटी, मौत

बहराइच । जिले में भूमि विवाद में सगे सम्बन्धियों ने एक घर पर हमलाकर मारपीट की। हमलावरों ने एक युवती की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी। वहीं इस हमले में एक किशोरी सहित चार लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कालेज भेजा। जानकारी के मुताबिक हरदी थाने के दहाव के मजरा माधवपुरवा में गुरुवार को पूर्वान्ह लगभग 11 बजे सगे भाइयों में मकान के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया। जिस पर लाठी डंडे

व धारदार हथियार से लैस लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की। हमलावरों ने युवती 19 वर्षीय ज्योति पुत्री दशरथ की धारदार हथियार से गर्दन काटकर हत्या कर दी। इस हमले में श्रवण कुमार (22), शीला देवी (11), राजमंगल (40), राजमन (35) व दिव्या (16) घायल हो गए। बताया जाता है कि एक पक्ष के राजमंगल, राजमन, राजदेव व दूसरे पक्ष के दशरथ, देवमन के बीच मकान के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार को दोनों पक्षों के लोग आमने–सामने आ गए। धारदार हथियार व लाठी डंडे चले। घटना की सूचना पाकर एएसपी रवींद्र कुमार सिंह, सीओ महसी शंकर प्रसाद यादव, एसएचओ शिवानंद प्रसाद यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

योगी सरकार ने दूसरे राज्यों से मांगी उप्र मूल के श्रमिकों की जिलेवार सूची

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूसरे राज्यों से अपने यहां फंसे यूपी के श्रमिकों की जिल. `वार सूची मांगते हुए गुरूवार को कहा कि उनकी सरकार सूबे सभी प्रवासी कामगारों को वापस लाना चाहती है।

मुख्यमंत्री योगी ने यहां एक बयान में कहा कि प्रदेश सरकार अपने राज्य के सभी कामगारों और श्रमिकों को वापस लाना चाहती है। इसके लिए संबंधित राज्य सरकारों से अपने यहां फंसे उत्तर प्रदेश के प्रवासी कामगारों की जनपदवार सूची उपलब्ध कराने को कहा गया है। जो राज्य सरकारें सूची उपलब्ध करा रही हैं, उन्हें लाने की व्यवस्था हम तत्काल दे रहे हैं। योगी ने कहा कि अभी तक दूसरे प्रदेशों से करीब 30 हजार कामगारों को लेकर 37 रेलगाड़ियां उत्तर प्रदेश आ चुकी हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश से भी बसों से 30 हजार से अधिक श्रमिक लाए गए हैं। इससे पहले मार्च में भी साढ़े छह लाख प्रवासी श्रमिकों को उत्तर प्रदेश लाया गया था।

उन्होंने बताया कि श्रमिकों को लेकर आज 20 ट्रेनें आ रही हैं। कल भी 25 से 30 ट्रेनें प्रवासी कामगारों को लेकर प्रदेश में आएगी। उन्हें उनके घरों तक सुरक्षित पहुँचाने के लिए परिवहन निगम की 10,000 से ज्यादा बसें लगाई गई हैं। यहां आने वाले हर कामगार को जाँच के लिए क्वारंटीन सेंटर में रखने और उन्हें सुरक्षित घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आने वाले हर मजदूर और कामगार की कार्यकुशलता सम्बन्धी एक डेटा तैयार किया जा रहा है। होम क्वारंटीन पूरा होते ही उन्हें उनकी क्षमता के आधार पर प्रदेश में ही नौकरी अथवा रोजगार दिलाने की तैयारी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के क्वारेंटाइन सेंटरों की क्षमता अब 12 लाख से ज्यादा की हो गई है। सभी की स्वास्थ्य जांच के लिए 50 हजार से अधिक लोगों की मेडिकल टीमें लगाई गई हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में शर्तों के साथ संचालित की जा सकेंगी कुछ आवश्यक गतिविधियां जिलाधिकारी सीतापुर

जिलाधिकारी सीतापुर जिला आपदा प्रबंध समिति की बैठक में लिया गया निर्णय।

••प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक संचालन की मिली अनुमति।

••कोरोना प्रोटोकॉल, सोशल डिस्टेंसिंग एवं धारा 144 के प्राविधानों का कड़ाई के साथ पालन करना रहेगा अनिवार्य।

••बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालन किये जाने हेतु जिला आपदा प्रबन्ध समिति की अनुमति होगी अनिवार्य, यूनिट शुरू करने से पूर्व लेना होगा प्रशिक्षण।

सीतापुर जिलाधिकारी श्री अखिलेश तिवारी ने अवगत कराया है कि जनपद के ऑरेंज जोन होने के कारण जिला आपदा प्रबन्ध

प्राधिकरण की बैठक में निर्णय लिया गया कि जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित आटा चक्की, धान कूटने की छोटी मशीन, तेल निकालने की छोटी मशीन (स्पेलर) के संचालन की अनुमति इस शर्त के साथ प्रदान की गयी है कि वह सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करेंगे। छोटे स्तर पर (इंडस्ट्री के रूप में नहीं) कृषि कार्य के लिये मेंथा की टंकी रिपेयरिंग करने वालों, वेल्डर, इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग, प्लम्बर, कारपेंटर, कुम्भार, मिट्टी का बर्तन बनाने वाले भी अपने घर या कार्यस्थल पर मास्क आदि का प्रयोग करके कार्यों को कर सकेंगे। सभी को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त यह लोग अधिक संख्या में ग्राहक एकत्रित नहीं करेंगे एवं बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन नहीं करेंगे। बेकरी/बिस्किट आदि खाद्य पदार्थ उत्पादन के इच्छुक व्यवसायी खाद्य सुरक्षा विभाग में आवेदन कर सकते हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग से निरीक्षण/प्रशिक्षण के उपरांत ही उत्पादन प्रारम्भ किया जा सकेगा। इन समस्त गतिविधियों को प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक ही कार्य करने की अनुमति दी गयी है।

जिलाधिकारी श्री तिवारी ने यह भी अवगत कराया है कि औद्योगिक इकाइयां, जिन पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाना है अथवा व्यावसायिक उपयोग किया जाना है, उसके लिए उपायुक्त उद्योग के कार्यालय में आवेदन करना होगा। उपायुक्त उद्योग के कार्यालय में आवेदनों का विवरण रखा जाएगा एवं यूनिट का निरीक्षण किया जाएगा। कोविड 19 की गाइडलाइन एवं प्रोटोकाल के अनुरूप उद्योग का प्रबंधन होने पर जिला आपदा प्रबन्ध समिति की बैठक में निर्णय लेकर उद्योग संचालन की अनुमति दी जा सकती है। अनुमति दिये जाने से पूर्व इकाई का निरीक्षण संबंधित अधिकारी द्वारा किया जाएगा एवं इकाई चलाने से पहले जिलास्तरीय टीम द्वारा कोरोना वायरस बचाव एवं कोविड प्रोटोकॉल से सम्बंधित प्रशिक्षण/सेमिनार दिया जाना अनिवार्य होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में शर्तो के साथ संचालित की जा सकेंगी कुछ आवश्यक गतिविधियां

जिलाधिकारी सीतापुर जिला आपदा प्रबंध समिति की बैठक में लिया गया निर्णय।

पहले साथ बैठकर पी शराब, फिर कर दी दोस्त हत्या

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में एक युवक ने अपने दोस्त की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। बताया गया कि पहले दोनों साथ बैठकर शराब पी, इसके बाद दोनों में विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी दिनानाथ ने अपने दोस्त आशीष की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल चाकू और गमछा बरामद कर लिया है। एसीपी हजरतगंज अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना गौतम पल्ली के मार्टिन पुरवा का रहने वाला आशीष सब्जी बेचता था और उसके घर के पास ही रहने वाला दोस्त दीनानाथ याहियागंज में कपड़े की दुकान पर सेल्समैन है। लॉकडाउन से पहले आशीष ने दीनानाथ को एक सोने की नथुनी 13 सौ रुपए में बेची थी. दीनानाथ को शक था कि उसके घर में बैठकर शराब पीने के दौरान आशीष ने वो नथुनी उसके घर से चुरा ली। दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे। इस क्रम में देर रात भी दोनों दोस्त साथ बैठकर शराब पी रहे थे इसी बीच नशे में होने पर दीनानाथ ने आशीष पर नथुनी चोरी का आरोप लगाकर बात उगलवाने की कोशिश की। इस पर आशीष घर जाने की बात कहकर उठ गया। इस पर दीनानाथ को शक हो गया कि पूछताछ से बचने के लिए आशीष उठ गया है। इसके बाद नशे में आशीष भी उल्टा सीधा जवाब देकर दीनानाथ से भिड़ गया। इस पर दीनानाथ अपने गमछे से आशीष का गला कस दिया और चाकू से गले और सीने पर कई वार किए जिससे उसकी मौत हो गई। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिलायंस जियो लाया ग्राहकों के लिए शानदार प्लान

100 एमबीपीएस स्पीड के साथ आते हैं कंपनी के प्लान

नई दिल्ली (ईएमएस)। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो अपनी ब्रॉ. डबैंड सर्विस जियो फाइबर प्लान इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए शानदार प्लान ऑफर करती है। आज हम बात करेंगे जियो फाइबर ब्रॉडबैंड प्लान के उन प्लान के बारे में जो 100 एमबीपीएस स्पीड के साथ आते हैं। जियोफाइबर के इन प्लान में सोनी लिव, जियो

सिनेमा, वूट और डिजनी हॉटस्टार जैसे ऐप्स के मुफ्त सबस्क्रिप्शन का भी फायदा मिलता है। रिलायंस जियोफाइबर का सबसे कम दाम वाला प्लान ब्रॉन्ज है। जियो फाइबर ब्रॉन्ज प्रीपेड प्लान की वैलिडिटी 360 दिन है और इसे 8,388 रुपये में लिया जा सकता है। इसमें यूजर्स को 200+50 जीबी एक्स्ट्रा जीबी डेटा हर महीने मिलता है। डेटा स्पीड 100 एमबीपीएस होता है। इसके अलावा कंपनी जियो सावन और जियो सीनेमा जैसे ऐप्स सब्सक्रिप्शन भी ऑफर करती है। इस प्लान में फ्री वॉइस कॉल और दूसरे होम नेटवर्किंग फायदे भी दिए जाते हैं। जियो के पास एक दूसरा किफायती ऐनुअल प्रीपेड प्लान है सिल्वर। इस प्लान की कीमत 10, 188 रुपये है और यह भी 360 दिन की वैलिडिटी के साथ आता है। इस प्लान में यूजर को 100एमबीपीएस स्पीड के साथ 400+200 जीबी एक्स्ट्रा जीबी डेटा हर महीने मिलता है। इसके अलावा फ्री वॉइस कॉलिंग और होम नेटवर्किंग की भी सुविधा है। गोल्ड एनुअल प्लान की वैलिडिटी 720 दिन है और इसकी कीमत 31,176 रुपये है। इसके अलावा 360 दिनों के लिए इस प्लान की कीमत 15,588 रुपये (बिना जीएसटी) है। इस प्लान में यूजर्स को 250एमबीपीएस की स्पीड मिलती है। प्लान को ग्राहक अपनी जरूरत के हिसाब से 360 दिन या 720 दिन वैलिडिटी के लिए ले सकते हैं। यूजर्स को इस प्लान में 1000 जीबी + 250 जीबी एक्स्ट्रा डेटा हर महीने मिलता है। इसके अलावा 1200 रुपये की कीमत वाली टीवी विडियो कॉलिंग और गेमिंग जैसी सुविधाएं भी हैं। जियोफाइबर डायमंड प्रीपेड प्लान की वैलिडिटी 360 दिन है और इसकी कीमत 29, 988रुपये है। हाई–स्पीड इंटरनेट की चाहत रखने वाले ग्राहकों को इस प्लान में 500 एमबीपीएस की स्पीड मिलती है। इस प्लान में 2500+250 जीबी एक्स्ट्रा डेटा हर महीने मिलता है। इसके अलावा 1200 रुपये के दाम वाले टीवी विडियो कॉलिंग व गेमिंग सर्विस भी मिलती हैं। फ्री विडियो कॉलिंग और ऐप्स सब्सक्रिप्शन भी इस प्लान में शामिल है। बता दें कि रिलायंस जियो कंपनी की तेज स्पीड के साथ ओटीटी प्लैटफॉर्म सब्सक्रिप्शन वाली जियो फाइबर ब्रॉडबैंड सर्विस में तेज इंटरनेट स्पीड मिलती है।

14 नई बाइक लाएगी रॉयल एनफील्ड कंपनी

भारतीय समेत अन्य बाजार में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जानीमानी कंपनी रॉयल एनफील्ड 14 नई बाइक लाने की तैयारी में है। ये सभी बाइक कंपनी की भारतीय समेत अन्य बाजार में पेश करने की तैयारी है। कंपनी के दो बड़े अधिकारियों ने एक इंटरव्यू के दौरान यह खुलासा किया है। रॉयल एनफील्ड की नई बाइक्स की लॉन्चिंग कोरोना वायरस संकट खत्म होने के बाद शुरू होगी। रॉयल एनफील्ड की इन 14 नई बाइक्स को पिछले साल कंपनी के प्रॉडक्ट स्टैटिजी हेड मार्क वेल्स ने प्रस्तावित किया था। कंपनी के प्रॉडक्ट डिवेलपमेंट हेड साइमन वारबर्टन ने कहा है कि प्रॉसेस में आने वाले प्रोजेक्ट को हमें कभी रद्द नहीं करना पड़ा। हम उन सभी प्रोजेक्ट को पूरा करने के तरीके देख रहे हैं, जो प्रोग्रेस में हैं। पिछले साल 14 प्रोजेक्ट पेश किए गए थे। कंपनी ने अपनी आने वाली इन नई बाइक्स के नाम और उनके डीटेल का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, लीक रिपोर्ट्स और तस्वीरों से भारत में लॉन्च होने वाली रॉयल एनफील्ड की कुछ नई बाइक्स की जानकारी सामने आ चुकी है। रॉयल एनफील्ड की भारत में

इस साल आने वाली सबसे पहली नई बाइक रॉयल एनफील्ड मेटायर 350 होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसका एक वेरियंट मेटायर 350 फायरबॉल नाम से उपलब्ध होगा, जिसकी हाल में कुछ तस्वीरें लीक हुई थीं। मीटियर 350 बाइक न्यू–जेनरेशन थंडरबर्ड है। थंडरबर्ड के मुकाबले इसकी डिजाइन में बड़े बदलाव के साथ फीचर्स भी अपग्रेड किए गए हैं। चेन्नै की दिग्गज बाइक निर्माता अपनी पॉप्युलर मोटरसाइकल क्लासिक 350 का न्यू–जेनरेशन मॉडल भी जाने वाली है। नई क्लासिक 350 की टेस्टिंग के दौरान की कई तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। मौजूदा मॉडल के मुकाबले न्यू–जेनरेशन क्लासिक 350 का लुक ज्यादा प्रीमियम होगा और इसमें ज्यादा फीचर्स भी मिलेंगे। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि रॉयल एनफील्ड 250 सीसी की एक बाइक पर भी काम कर रहा है। इसे 1 लाख रुपये से कम कीमत में लॉन्च किया जाएगा। मार्केट में इसकी टक्कर बजाज डोमीनार 250, बीएस6 यामाहा एफझेड25, हसक्वारना स्वॉटपीलेन 250 और वीटपीलेन 250 जैसी मोटरसाइकल से होगी। इनके अलावा रॉयल एनफील्ड एक रोडस्टर बाइक और हिमालयन का नया वेरियंट भी ला सकती है।लीक तस्वीरों से साफ हुआ है कि बाइक नए अलॉय वील्ज, विंड डिफ्लेक्टर और नए डिजाइन के टेललैम्प, ग्रैब रेल, फ्यूल टैंक और एग्जॉस्ट के साथ आएगी।

महिंद्रा ने बंद किए कुछ डीजल मॉडल पॉप्युलर मॉडल्स को नए एमिशन नॉर्म्स के अनुरुप किया अपग्रेड

मनई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज एसयूवी निर्माता महिंद्रा ऐंड महिंद्रा कुछ डीजल मॉडल्स को बंद कर दिया है। इनमें महिंद्रा वेरीटो, वेरीटो वाइब, एक्सोलो और नुवास्पोर्ट शामिल हैं, यानी महिंद्रा की इन कारों को अब नहीं खरीद पाएंगे। वहीं कंपनी ने अपने पॉप्युलर मॉडल्स को नए एमिशन नॉर्म्स के अनुरूप अपग्रेड कर दिया है। महिंद्रा वेरिटो और वेरिटो वाइब 1.5–लीटर डीजल इंजन के साथ आते थे। यह इंजन 65पीएस का पावर और 160एनएम टॉर्क जेनरेट करता था। इंजन 5–स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स से लैस है। वेरिटो की कीमत 7.48 लाख से 8.87 लाख रुपये के बीच और वेरिटो वाइब की कीमत 6.58 लाख से 7.52 लाख रुपये के बीच थी। महिंद्रा एक्सोला में 2.2–लीटर एमहॉक और 2.5–लीटर एमडीआई सीआरडीई डीजल इंजन के ऑप्शन थे। दोनों इंजन के साथ 5–स्पीड मैन्युअल ट्रांसमिशन दिया गया था। 2.2–लीटर इंजन 120पीएस का पावर और 280 एनएम टॉर्क, जबकि 2.5–लीटर इंजन 95पीएस का पावर और 218 एनएम टॉर्क जेनरेट करता था। महिंद्रा की इस एमपीवी की कीमत 9.17 लाख से 12 लाख रुपये के बीच थी। महिंद्रा ने साल 2016 में लॉन्च हुई नुवास्पोर्ट भी बंद कर दी है। इसमें 1.5–लीटर, 3–सिलिंडर एमहॉक डीजल इंजन दिया गया था। यह इंजन 100पीएस का पावर और 240एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। इसमें 5–स्पीड मैन्युअल और 5–स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन दिया गया था। इसके अलावा कंपनी अपनी 4 पॉप्युलर एसयूवी के न्यू–जेनरेशन मॉडल लाने वाली है। इनमें स्कॉर्पियो, एक्सयूवी500, थार और बोलेरो शामिल हैं। इन चारों एसयूवी के न्यू–जेनरेशन मॉडल के एक्सटीरियर और इंटीरियर में बड़े बदलाव होंगे। साथ ही इनमें नया इंजन भी मिलेगा।महिंद्रा ऐंड महिंद्रा के फ्यूचर प्लान की बात करें, तो कंपनी भारतीय बाजार में एक्सयूवी300 स्पोर्ट्ज लाने वाली है, जिसमें स्टैंडर्ड एक्सयूवी300 से ज्यादा पावरफुल इंजन दिया गया है। एक्सयूवी300 स्पोर्ट्ज लॉकडाउन के बाद लॉन्च होगी।

लॉकडाउन के बाद कार खरीदने वालों की होगी चांदी हुंडई भरेगी ईएमआई तो टाटा जीरो पेमेंट पर देगा नई कार

मुंबई(ईएमएस)। ऑटोमोबाइल कंपनियां ग्र. ाहकों को आकर्षक स्कीमों से शोरूम तक लाने के लिए कई तरह के उपाय करने की योजना बना रही हैं। दरअसल, सेल्स के लिहाज से बेहद कमजोर साल झेलने के बाद नए वित्त वर्ष के पहले महीने यानी अप्रैल में उनकी बिक्री जीरो रही। ऑटो कंपनियां कस्टमर्स को 100त्न ऑन रोड फाइनैंसिंग, इंस्टॉलमेंट हॉलिडे और ऑटो लोन रिपेमेंट एश्योरेंस जैसे ऑफर दे सकती हैं। ये कोविड–19 की वजह से हुए लॉकडाउन के चलते सैलरी कट और जॉब लॉस के डर के बीच लोगों को फिर से गाडियां बेचने की कोशिश में जुटी हैं। इनवेंट्री क्लीयर करने पर फोकसऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के मुताबिक, लोगों की चिंताओं को पब्लिक ट्रांसपोर्ट से सफर करने की हिचक ने खत्म कर दिया है। ऑटो डीलरशिप देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन से मिली राहत के बीच इसी हफ्ते खुलने जा रही हैं। इंडस्ट्री सोर्सेज के मुताबिक, उनका फोकस सबसे पहले लगभग तीन लाख पैसेंजर वीइकल की मौजूदा इनवेंट्री को क्लीयर करने पर होगा।

नौकरी गई तो चिंता नहीं

हुंडई मोटर ने हुंडई ईएमआई एश्योरेंस स्कीम लॉन्च की है, जिसमें वह तीन इंस्टॉलमेंट खुद भरेगी, अगर बायर की नौकरी चली जाती है। यह स्कीम इसी महीने प्राइवेट सेक्टर के एंप्लॉयीज की तरफ से होने वाली नई खरीदारी पर लागू होगी, लेकिन इसका लाभ क्रेटा, टूसों, कोना ईवी और एलांट्रा मॉडल पर नहीं मिलेगा। कंपनी के सेल्स, मार्केटिंग एंड सर्विस डायरेक्टर तरुण गर्ग ने कहा, 'सेंटीमेंट अच्छा नहीं है और कस्टमर्स जॉब सिक्योरिटी के साथ ही पर्सनल सेफ्टी को लेकर भी चिंतित हैं।

टाटा मोटर्स के भी कई प्लान

टाटा मोटर्स भी कई इनसेंटिव प्लान ऑफर कर रही है। कंपनी के स्पोक्सपर्सन ने कहा, 'अट्रैक्टिव लिमिटेड पीरियड ऑफर के अलावा हम कारों और एसयूवी की पूरी रेंज पर 100 फीसदी तक की ऑन रोड फंडिंग मुहैया करा रहे हैं। कस्ट. मर्स लॉन्ग टेन्योर ईएमआई स्कीम (आठ साल तक) का फायदा उठा सकते हैं, जिससे उनकी ईएमआई कम रहेगी।

लॉकडाउन में हीरा नगरी सूरत में काम ठप, अफ्रीका में चमकेगा हीरों का कारोबार?

कोलकाता (ईएमएस)। देश में लॉकडाउन के चलते सभी कारोबार ठप पड़े हैं। हीरा नगरी सूरत में हीरों को तराशने और चमकाने का काम भी बंद पड़ा है ऐसे में यहां जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो वहां का कारोबार चीन, थाइलैंड और अफ्रीकी देशों में जा सकता है। हीरा बेचने वाली दिग्गज ग्लोबल कंपनी डी बीयर्स के चीफ एग्जिक्यूटिव ब्रूस क्लीवर ने यह आशंका जताई है। उन्होंने कहा, 'सूरत दुनिया का सबसे बड़ा डायमंड पॉलिशिंग हब है लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ यहीं हीरे चमकाए जाते हैं। दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जहां हीरों को चमकाया जाता है। दक्षिण अफ्रीका जैसी जगहों पर छोटे पैमाने पर काम होता है। चीन और थाइलैंड में भी हीरों को चमकाने का काम होता है।'

सूरत में हीरों को तराशने और चमकाने का काम लॉकडाउन के चलते थम गया है और इंडस्ट्री बॉडीज ने दुनियाभर में फैले कोविड–19 के प्रकोप के चलते बनी कारा. बारी अनिश्चितता को देखते हुए रफ डायमंड का इंपोर्ट महीने भर के लिए बंद करने का फैसला किया है। हीरा व्यापार से जुड़े बहुत से प्रवासी कारीगर सूरत छोड़ चुके हैं। डी बीयर्स चाहती है कि वहां कामकाज जल्द से जल्द शुरू हो जाए। क्लीवर ने कहा, 'डी बीयर्स के कस्टमर्स और मिडस्ट्रीम कंपनियां फ्लेक्सिबल और स्मार्ट हैं। वे पॉलिशिंग का कुछ काम दूसरी जगहों पर करा सकते हैं लेकिन इंडिया दुनियाभर में डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग का सबसे अहम हब बना रहेगा।'

हालांकि सूरत डायमंड एसोसिएशन के प्रेजिडेंट बाबूभाई कथीरिया का कहना है कि लगभग पांच–छह लाख कामगार सूरत छोड़कर गांव घर के लिए रवाना हो रहे हैं। कथीरिया कहते हैं, 'जून से पहले काम शुरू नहीं किया जा सकता। फैक्टरियों को स्टार्ट करने से पहले हमें सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को अपनाना होगा। सूरत में डायमंड कटिंग और पॉलिशिंग का काम करने वाली लगभग 5 हजार यूनिट्स हैं। डी बीयर्स ने

इंडियन मिडस्ट्रीम डायमंड ट्रेड पर बना दबाव घटाने के लिए 2020 के वास्ते दिए गए 3.2–3.4 करोड़ कैरेट के पिछले प्रोडक्शन गाइडेंस में 25 प्रतिशत की कमी की है।

मारुति सुजुकी ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विकसित किया वेलनेस मित्र ऐप

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना काल में स्वास्थ्य को लेकर हर नागरिक भयभीत है ऐसे में देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने 34 हजार कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए अपना 'वेलनेस मित्र' ऐप विकसित किया है। यह ऐप कंपनी के देशभर में फैले कर्मचारियों की वास्तविक समय में स्वास्थ्य निगरानी करने में सहायक है। वहीं कर्मचारी इस ऐप की माध्यम से आकस्मिक स्थिति में मदद भी मांग सकते हैं।

कंपनी के मुताबिक उसने अपनी पूरी श्रृंखला के तहत सभी कर्मचारियों के लिए 'आरोग्य सेतु ऐप' अनिवार्य कर दिया है। इस पर कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को रोज अपनी स्वास्थ्य जानकारी देनी है। इसके अलावा कंपनी ने 'कोविड–19 कार्यबल' भी गठित किया है जो यह सुनिश्चित करेगा कि कर्मचारी सभी स्वास्थ्य और सुरक्षा परामर्शों का पालन कर रहे हैं। इस बारे में कंपनी के कार्यकारी निदेशक मंडल (मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी और सुरक्षा) के सदस्य राजेश उप्पल ने कहा, 'हम एक अभूतपूर्व वैश्विक स्वास्थ्य संकट से जूझ रहे हैं। कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमने वेलनेस मित्र ऐप विकसित किया है जो आरोग्य सेतु ऐप का ही पूरक है।' उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु ऐप किसी व्यक्ति के आने–जाने, मिलने–जुलने या संपर्क में आने की जानकारी देती है और कोविड–19 से संक्रमित लोगों के बारे में अलर्ट देती है। वहीं प्रौद्योगिकी मदद से हम अपने सभी कर्मचारियों के स्वास्थ्य की वास्तविक समय में निगरानी कर रहे हैं। वेलनेस मित्र ऐप को कंपनी ने खुद से विकसित किया है। यह देशभर में फैले कंपनी के कर्मचारियों के स्वास्थ्य से जुड़ी ना सिर्फ जानकारियां रखने और निगरानी करने में मदद करता है। बल्कि जरूरत के वक्त कंपनी के कर्मचारी इससे मदद भी मांग सकते हैं। कंपनी जल्द ही अपने संयंत्रों को दोबारा चालू करने की दिशा में बढ़ रही है। कंपनी केवल उन्हीं लोगों को काम पर आने की अनुमति देगी जिनका स्वास्थ्य पिछले 14 दिनों में सही रहा है।

राजस्थान में चमगादड़ को मारने पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर । कोरोना वायरस के कारण लोगों में चमगादड़ के प्रति काफी गलतफहमियां पैदा हो गयी हैं। इसके चलते राजस्थान के चूरू में चमगादड़ को मारा गया है। इस घटना सामने आने के बाद में प्रदेश का वन विभाग हरकत में आ गया है और इस मामले को लेकर वन विभाग ने एक सर्कुलर सभी टाइगर रिजर्व और जिला स्तर के वन अधि ाकारियों को जारी किया है। इस सर्कुलर में कहा गया है वन अधिकारी क्षेत्र में चमगादड़ को लेकर गलतफहमियां को दूर करने की जरूरत है। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर अभी तक ऐसी कोई प्रमाणिक रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिससे यह कहा जा सके इस वायरस के प्रसार में चमगादड़ कोई भूमिका अदा कर रहे हैं, जबकि प्रकृति में चमगादड़ का अहम रोल है। तोमर ने कहा कि फलों के परागण से लेकर बीज संवाहक समेत अन्य कई महत्वपूर्ण प्राकृतिक गतिविधियों में चमगादड़ों की बड़ी भूमिका है. ।ऐसे में प्रदेश में अगर कहीं चमगादड़ मारे जाने की

फैल रही गलतफहमियों को दूर करें और इसे मारे जाने की स्थिति में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई करें। राजस्थान के मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक अरिंदम तोमर ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि लोगों में चमगादड़ के प्रति फैली घटना सामने आती है तो वन विभाग के अधिकारियों को उसे गंभीरता से लेकर मामले में उचित कानून सम्मत कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही लोगों में चमगादड़ को लेकर फैली गलतफहमी को दूर करने के लिए समझाइश पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

राजस्थान में दसवीं के बाकी बचे विषयों की परीक्षा नहीं होगी

अजमेर (ईएमएस)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 10वीं के बाकी बचे विषयों की परीक्षा कराने के मूड में नहीं है। दरअसल, कोरोना वायरस से उपजे हालात को देखते हुए लॉकडाउन बढ़ने का कोई भरोसा नहीं है। ऐसे में 11 लाख पंजीकृत विद्यर्थियों के लिए मौजूदा केंद्रों से दोगुने परीक्षा केंद्र बनाने होंगे जो मुमकिन नजर नहीं आ रहा है। लिहाजा, बोर्ड इसका एक प्रस्ताव उच्चाधिकार प्राप्त समिति से अनुशंषा करवाकर अनुमोदन के लिए राज्य सरकार को भेजेगी। अंतिम फैसला राज्य सरकार को ही करना है। राजस्थान बोर्ड अध्यक्ष धर्मपाल जारोली ने कहा कि प्रदेश में 10वीं की परीक्षा में 11 लाख से ज्यादा छात्र–छात्राएं पंजीकृत हैं और अधिकतर परीक्षा केंद्रों को प्रशासन ने क्वारंटीन सेंटर के रूप में अधिग्रहित कर रखा है। ऐसे में परीक्षा आयोजित कराने के लिए परीक्षा केंद्रों की संख्या को दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ाना होगा जो कि संभव नहीं दिख रहा है। परीक्षा केंद्रों की संख्या इसलिए भी बढ़ाना जरूरी है क्योंकि परीक्षा आयोजित कराए जाने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग के मानकों का भी कड़ाई से पालन करना होगा। ऐसे में बोर्ड के सामने ये तमाम चुनौतियां हैं, जिन्हें देखते हुए बोर्ड 10वीं की बाकी बची दो विषयों सामाजिक विज्ञान और गणित की परीक्षा रद्द करने का मन बना रहा है। हालांकि बोर्ड की ओर से यह भी कहा गया है कि स्टूडेंट्स के हितों के साथ कोई नुकसान नही होगा और बोर्ड नियमों के तहत उनके हितों को देखेगा। इसके अलावा, बोर्ड की 12वीं की शेष रही सभी विषयों की परीक्षा लॉकडाउन समाप्ति के 7 दिन के अंदर ले ली जाएगी और उसके 20 दिन के अंदर परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

अम्बिका मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा चढ़ाई गई।

साण्डेराव। स्थानीय नगर के अम्बिका मंदिर परिसर में गुरूवार को वैशाखी पूर्णिमा के पावन पर्व पर कोरोना लॉक डाउन की पालना करते हुए सोशल डिस्टेंसिग रखते हुए मास्क लगाकर संत मनसुख हिरापुरी जी महाराज की पावन निश्रा में मेवाड़ा क्षत्रिय कलाल के परिवारजनो की उपस्थिति में मंदिर के शिखर पर वार्षिक धर्म ध्वजा विधिवत रूप से पूजा अर्चना के बाद श्रद्धा पुर्वक चढ़ाई गई। कोरोना वायरस लॉक डाउन के चलते इस बार मंदिर परिसर में किसी तरह का कोई भी ध ार्मिक आयोजन नही रखा गया।सिर्फ परिवार के सदस्यों द्वारा पूजा अर्चना करते हुए मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा चढ़ाकर कोरोना वायरस से बचने के लिए मन्नतें मांगी।इस दौरान सायरी देवी,ललिता देवी,सविता देवी,सरोज देवी,पूजा मेवाड़ा सहित परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

दुजाना सड़क मार्ग पर कार पलटी, दम्पति को आई चोटें।

सांडेराव :– साण्डेराव–तखतगढ़ सड़क मार्ग पर गुरूवार को दुजाना पुलिया के पास गाय को बचाने के प्रयास में जालोर से अजमेर की तरफ जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पुलिया में पलटी हो गई।वही उधर से गुजर रहे आरआई तोलाराम ने हादसे की खबर तुरंत प्रभाव से साण्डेराव एचएचओ धोलाराम परिहार को दी।सूचना मिलते ही थानाधिकारी धोलाराम परिहार मय पुलिस दल के मौके पर पहुंचकर कार के मलबे में फंसे घायल यात्रियों को बाहर निकल कर साण्डेराव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार के बाद भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि गोविंद गढ़ पुष्कर निवासी नटवर कंसारा अपनी धर्म पत्नी निर्मला कंसारा व दो वर्ष के पुत्र भावेश को लेकर कार चालक मनोहर कुमावत गोविन्द गढ़ अजमेर के साथ कार में प्रशासनिक अनुमति के बाद जालोर से अजमेर की और जा रहे थे कि अचानक सड़क मार्ग पर गाय दौड़ती हुई आ गई जिसे बचाने के लिए चालक मनोहर कुमावत ने प्रयास किया जबकि कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे विधुत पोल को क्षतिग्रस्त करते हुए पुलिया में पलट गई।आर आई तोलारम ने बताया कि कार में सवार नटवर कंसारा व उसकी पत्नी निर्मला कंसारा के मामूली चोटें आई हैं, उन्होंने बताया कि इसे एक तरह का एक्सीडेंट में चमत्कार ही कहा जाएगा, क्योंकि इस एक्सीडेंट में जब गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी खाई तब बीच में खड़े विद्युत पोल को भी क्षतिग्रस्त करते हुए पूरी तरह से पलटी खाई।

लॉकडाउन उल्लंघन कर फंसे भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया, एसपी ऑफिस तक पहुंची शिकायत

उदयपुर । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष, पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया के खिलाफ उदयपुर पुलिस के पास लॉकडाउन उल्लंघन की शिकायत पहुंची है। शिकायत में कटारिया पर आरोप लगा है कि उन्होंने अपनी शादी की सालगिरह पर भीड़ इकट्ठा कर सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करते हुए लोगों की जान को खतरे में डाला। कटारिया के खिलाफ यहां मामला पहले सूरजपोल थाने में दिया गया। लेकिन मामला दर्ज नहीं होने पर शिकायतकर्ता एसपी ऑफिस तक पहुंच गया है।

नेता प्रतिपक्ष कटारिया की ओर से शादी की वर्षगांठ का कार्यक्रम 1 मई को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की वायरल तस्वीरों और वीडियो में गया है। इस परिवाद में कार्यक्रम में शामिल सभी नेताओं पर राशन और भोजन वितरण के पास का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। हालांकि इस संबंध में एसपी कैलाश चंद्र विश्नोई से बात करने की कोशिश की,तब उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

बता दें कि उदयपुर शहर में अभी तक 16 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और गुरुवार को भी एक नया कोविड–19 रोगी सामने आया है। जिले में अब तक 3342 लोगों की कोरोना संक्रमण की जांच की जा चुकी है जिनमें से पॉजिटिव आए 9 लोग अब भी अस्पताल में कोरोना से जंग लड़ रहे हैं। अधिवक्ता गणपत चौधरी की ओर से पेश किए गए इस परिवाद में बताया कि देश में इस समय लॉक डॉउन है और ६

उनके आसपास कई लोग नजर आए जो न मास्क लगाए हुए थे और न सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे थे। इसके बाद सूरजपोल थाने में कटारिया के खिलाफ लॉकडाउन के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए शादी की सालगिरह मनाने का परिवाद पेश किया ाारा 144 प्रभावी है। इसके बावजूद भी माछलामंगरा में शहर विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब. चंद कटारिया ने अपनी शादी की वर्षगांठ मनाई थी और इसमें 30 से अधिक भाजपा नेता आए थे, जो कि लॉक डाउन के नियमों का उल्लंघन किया गया है।

दिव्यांग राशन डिलर एवं शिक्षिकाएं बनी सच्ची कोरोना कर्मवीर

जयपुर । कोरोना महामारी से बचाव को लेकर जारी इस जंग के दौरान कोई भूखा न रहे और आवश्यकतानुसार राशन लोगों तक पहुंचे। इसके लिए उदयपुर जिला प्रशासन सम्पूर्ण जिले में घर–घर राशन पहुंचाने के प्रभावी प्रयास कर रहा है। शहर के साथ ही जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करते कई दिव्यांग राशन डीलर्स के साथ शिक्षिकाओं का जज्बा देखते ही बनता है जो मुसीबत की इस घड़ी में अपना दुःख–दर्द भूलाकर भी जरूरतमंदों की सेवा में लगे हुए हैं।

लॉकडाउन के दौरान घर में बंद रहकर कोरोना के संक्रमण से बचाव कर रहे लोगों को राशन लेने के लिए घर से बाहर नहीं निकलना पड़े इस दृष्टि से उदयपुर जिला कलक्टर श्रीमती आनन्दी के प्रयासों से जिले के विभिन्न गांव, ढाणी या कस्बों में रहने वाले वाले लोगों के घरों तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत पंजीकृत 5 लाख 75 हजार परिवारों को घर–घर राशन सामग्री पहुंचाई जा रही है। उदयपुर जिला रसद अधिकारी ज्योति ककवानी बताती हैं कि मुसीबत की इस घडी में लोग अपने घर द्वार पर राशन अपनी सराहनीय सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में राशन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए पूर्ण पारदर्शिता के साथ जरूरतमंद लोगों तक सरकार द्व ारा स्वीकृत राशन सामग्री पहुंचाई जा रही है। राशन डीलर्स व नियुक्त सरकारी कार्मिकों को इस संबंध में दिए निर्देशों की पालना की जा रही है और सोशन डिस्टेंसिंग के माध्यम से राशन वितरण हो रहा है। जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचल में ऐसे भी राशन डीलर्स है जो दिव्यांग है लेकिन उनकी सेवा कार्य के प्रति निष्ठा देखकर क्षेत्रवासी उन्हें असली कोरोना कर्मवीर और देवदूत मानते हैं। लसाड्यि के काली. भीत में राशन डीलर भेरूलाल जो दिव्यांग है परंतु प्रशासन ने जिम्मेदारी दी तो बिना किसी झिझक के घर–घर जाकर राशन उपलब्ध करा रहे हैं। उनका कहना है कि पहला मौका है जब मुसीबत में फंसे लोगों की सेवा का मौका मिला है। उनके साथ स्थानीय शिक्षक अमित राठौड़ भी सेवाएं दे रहे हैं। इसी प्रकार जिले के सुदूरवर्ती कोटड़ा के थेप व सांडमारिया क्षेत्र के राशन डीलर हिम्मतराम खैर भी

प्राप्त कर दुआएं देते नजर आ रहे है और यह सब कुछ संभव हुआ है जिले के समस्त राशन डीलर्स के जज्बे और प्रयासों से जो कि बिना झिझक के वाहनों में गेहूं और दाल आदि लादकर इन गरीब परिवारों तक पहुंचा रहे हैं। इस कार्य में जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी पूरे जोश के साथ दोनों पैर से दिव्यांग है लेकिन इसके बावजूद पूरी शिद्दत से अपने कार्य को पूरा करते इनका जज्बा देखते ही बनता है। हिम्मत राम बताते है कि वे दोनों क्षेत्रों के पात्र लोगों को बारी–बारी से राशन सामग्री का वितरण कर रहे है और स्थानीय लोग भी सोशल डिस्टेंसिंग के माध्यम से उनका सहयोग कर रहे हैं।

मनरेगा में अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दे–बामनिया

जयपुर । जनजाति क्षेत्रीय विकास राज्यमंत्री अर्जुनसिंह बामनिया ने बांसवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गोविन्द गुरू विश्व विद्यालय सभागार में बांसवाड़ा एवं छोटीसरवन पंचायत समितियों के कनिष्ठ तकनीकी सहायक एवं सहायक अभियंताओं की बैठक में कहा कि मनरेगा कार्यो में अधिक से अधि ाक श्रमिकों को रोजगार देने एवं योजना में चलाए जा रहे कार्यो को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए।

उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कनिष्ठ तकनीकी सहायकों को नोटिस देने के निर्देश जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को दिए। उन्होंने कनिष्ठ तकनीकी सहायकों एवं सहायक अभियंताओं से कहा कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में मांग के अनुरूप जरूरतमंद लोगों को मनरेगा में रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य पूरी प्राथमिकता के साथ किया जाए ताकि जरूरतमंद लोगों को रोजगार मिलने से उनका दैनिक जीवन यापन आसानी से चल सके। उन्होंने बैठक में मनरेगा के श्रम नियोजन, जोब कार्ड, डिमाण्ड, मस्टरोल आदि की समीक्षा की तथा सम्बन्धि ात ग्राम पंचायत के कनिष्ट तकनीकी सहायक से कार्य में किसी तरह की लापरवाही नही बरतने के निर्देश दिए। बैठक में श्री बामनिया ने विकास अधि ाकारी श्री दलिप सिंह को मनरेगा योजना में स्वीकृत कार्यो में श्रम नियोजन के तहत अधिक से अधिक लोगों को लाभन्वित करने को कहा।

राजस्थान सरकार ने अंतरराज्यीय सीमाएं कर दी सील,

जयपुर । देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में तीव्र बढ़ोतरी के बीच राजस्थान सरकार ने राज्य की अंतरराज्यीय सीमाएं सील कर दी हैं। अब कोई भी बिना अनुमति के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

बिना अनुमति प्रवेश नहीं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अनुसार गत दिनों में देश के कई राज्यों में कोरोना संक्रमितों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।इसके बाद देश के अन्य राज्यों से भारी संख्या में बिना अनुमति के लोगों के प्रवेश की संभावनाओं के मद्देजनर सीमाएं सील करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने ट्वीट किया कि प्रदेश की अंतरराज्यीय सीमाओं से अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के लिए राज्य सरकार द्वारा तुरंत प्रभाव से राज्य की सभी अंतरराज्यीय सीमाओं को सीलकर रेगुलेट किया जाएगा।इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया अपनाकर अधिकृत व्यक्ति ही राज्य में प्रवेश कर सकें।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान की अंतरराज्यीय सीमा पांच राज्यों के साथ लगती है जिनमें उत्तर में पंजाब, उत्तर–पूर्व में हरियाणा, पूर्व में उत्तरप्रदेश, दक्षिण–पूर्व में मध्यप्रदेश तथा दक्षिण में गुजरात है। बुधवार देर रात एक उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला किया गया।गहलोत

ने ट्वीट कर कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेशवासियों के जीवन की रक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब प्रदेश में आवागमन की अनुमति केवल केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशों एवं शर्तों की कड़ाई से पालना करते हुए ही दी जाएगी।लउल्लेखनीय है कि राजस्थान में भी कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बृहस्पतिवार सुबह तक 3355 को पार कर गयी जबकि राज्य में इस घातक वायरस से मरने वालों की संख्या 95 हो गई है।

मोबाइल ओपीडी वैन लोगों दे रही चिकित्सकीय परामर्श

जयपुर ।आमजन के इलाज के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल ओपीडी यूनिट सेवा के अन्तर्गत शहर के 6 क्षेत्र में शिविर लगाए गए और चिकित्सकों ने रोगियों का उपचार कर निशुल्क दवाइयां दीं। मा. बाइल ओपीडी यूनिट के माध्यम से लोगों को चिकित्सकीय परामर्श, उपच. ार व निशुल्क दवा की सेवाएं अनवरत रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. नरोत्तम शर्मा ने बताया कि जिले के 6 शहरी क्षेत्र में लगाए शिविरों में 366 पुरूष, 267 महिलाओं और 63 बच्चों का मोबाइल ओपीडी यूनिट सेवा के तहत उपचार किया गया। इस दौरान 3 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। शहरी क्षेत्र मे लगे शिविर में 84 लोग खांसी से पीडित पाए गए। वहीं 7 बुखार, 25 मधुमेह और 24 हाइपर टेंशन की बीमारी

से ग्रसित पाए गए। इन सभी रोगियों का उपचार कर निशुल्क दवा उपलब्ध करवाई गई है। सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. शर्मा ने बताया कि कोविड 19 संक्रमण और लॉकडाउन को देखते हुए लॉकडाउन के कारण आमजन को अस्पताल पहुंचने में परेशानी संभव है, ऐसे क्षेत्रों के लोगों को प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार की ओर से मोबाइल ओपीडी यूनिट वाहन सेवा शुरू की गई है।

कृषक कल्याण फीस का भार किसानों पर नहीं पड़ेगा–गंगवार

जयपुर । प्रमुख शासन सचिव कृषि नरेशपाल गंगवार ने बताया कि कृषि उपज मंडी में उपज की खरीद–बिक्री पर लगाई गई कृषक कल्याण फीस का उपयोग किसान कल्याण के लिए ही किया जाएगा। गंगवार ने बताया कि राज्य सरकार की ओर से 5 मई को अधि ासूचना जारी कर मण्डी क्षेत्र में लाई गई या क्रीत–विक्रीत की गई कृषि उपज पर मण्डी समितियों द्वारा 2 रुपए प्रति सैकडा की दर से कृषक कल्याण फीस उद्ग्रहित किये जाने के प्रावधान किये गये है।

संकलित फीस राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड के कृषक कल्याण कोष में जमा होगी, जिसका उपयोग केवल कृषक कल्याण की गतिविधियों–योजनाओं के संचालन के लिए किया जाएगा। गंगवार ने बताया कि कृषक कल्याण फीस का भार किसानों व व्यापारियों पर नहीं पड़ेगा। इस समस्त राशि का उपयोग मात्र किसानों के लिए ही किया जाएगा। गंगवार ने बताया कि राजस्थान में अधिसूचित कृषि जिन्सों का मण्डी शुल्क 0.01 प्रतिशत से 1.60 प्रतिशत है जबकि समीपस्थ राज्यों में मण्डी शुल्क की दरें तुलनात्मक रूप से अधिक है। पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों में मण्डी शुल्क के अतिरिक्त विकास शुल्क पूर्व से ही लिया जा रहा है। कल्याण से संबंधित अन्य गतिविधियां करने का प्रावधान किया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस ने अपने खर्च से 1200 प्रवासी श्रमिकों को ट्रेन से उत्तर प्रदेश भेजा

सूरत। सूरत शहर कांग्रेस ने अपने खर्च से 1200 प्रवासी श्रमिकों को ट्रेन से उत्तर प्रदेश के लिए रवाना कियाद्य इस दौरान रेलवे स्टेशन पर पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नोंकझोंक भी हुई। हांलाकि कांग्रेस नेताओं ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया।

कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचाने के लिए टिकट खर्च उठाने का ऐलान किया हैद्य सोनिया गांधी के फैसले के चलते आज सूरत शहर कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश

जाने वाले श्रमिकों की एक सूची बनाई और जिला कलेक्टर को सौंप दीद्य साथ ही प्रवासी श्रमिकों के किराये के तौर प्रति श्रमिक रु. 710 के हिसाब से रु. 8.52 लाख भी दे दिया। गुजरात में 388 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 7000 के पार, 29 मौतें

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य गुजरात में पिछले 24 घंटों में 388 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 7000 को पार कर गया हैद्य राज्य में 24 घंटों के दौरान 29 मरीजों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 425 हो गईद्य जबकि 209 समेत अब तक 1709 लोग स्वस्थ हो चुके हैंद्य स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के और 388 केस सामने आए हैंद्य जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 275, अरवल्ली में 25, भावनगर में 1, दाहोद में 4, देवभूमि द्वारका में 1,

देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या पहुंची 55 हजार के करीब, 1834 मौतें

गुजरात में 388 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 7000 के पार, 29 मौतें

नई दिल्ली , देश में कोरोनावायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 53,367 पहुंच गई है। गुरूवार को रात 10 बजे तक संक्रमण के 1360 नए मामले सामने आए। अभी तक इस बीमारी से देश में 1834 लोगों की मौत हो चुकी है। अच्छी बात यह है कि लगभग 16,002 लोग ठीक हो चुके हैं।

संक्रमण के मामले में महाराष्ट्र सबसे आगे हैं यहां पर 16,758 लोगों को इस वायरस ने संक्रमित कर दिया है। जिनमें से 651 लोगों की मृत्यु हो गई है और 3094 लोग ठीक हो गए हैं। गुरूवार को गुजरात में 388 नए मामले सामने आने के साथ ही पीड़ितों की संख्या 7013 पहुंच गई जिनमें से 1709 ठीक हो चुके हैं और 425 की मौत हुई है। संक्रमण के मामले में तमिलनाडु का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा है। गुरुवार को यहां 540 नए मामले सामने आने के साथ पीड़ितों की संख्या 5369 हो गई। इनमें से 37 लोगों की मौत हो गई है और 1547 लोग ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में 5532 संक्रमित मिले हैं, जिनमें से 65 की मौत हो गई है और 1542 ठीक हो गए हैं। राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, पंजाब और पश्चिम बंगाल में भी 65 से लेकर 118 तक संक्रमण के नए मामले मिले। इन राज्यों में कोरोनावायरस पीड़ितों की संख्या 3382 से लेकर 1548 के बीच है। कोरोना वायरस के ट्रेंड पर नजर रखें तो पता चलता है कि महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, तमिलनाडु, राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में इस वायरस का प्रसार तेजी से हो रहा है आंध्रप्रदेश, पंजाब और पश्चिम बंगाल में भी बड़ी तादाद में नए मरीजों का मिलना जारी है। तेलंगाना में 3 दिनों तक राहत के बाद गुरूवार को 15 संक्रमित मिले। इसके अलावा बाकी राज्यों में जम्मू कश्मीर और हरियाणा को छोड़कर नए मामले उतनी तेजी से सामने नहीं आ रहे हैं। केरल जैसे राज्यों में संक्रमण लगभग स्थिर हो चुका है और यहां पर 474 मरीज ठीक भी हो गए हैं। इस प्रकार कुल 25 मरीजों का इलाज चल रहा है। इसके अल.ावा बाकी राज्यों में या तो इकाई की संख्या में पीड़ित सामने आ रहे हैं अथवा वे राज्य संक्रमण से मुक्त हो चुके हैं। आंकड़ों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि देश की घनी जनसंख्या वाले राज्य और महानगर इस बीमारी से ज्यादा पीड़ित हैं। विशेषकर मुंबई–दिल्ली–अहमदाबाद–चेन्नई और इंदौर जैसे शहरों में कोरोनावायरस संक्रमित लोगों की संख्या देश के अन्य शहरों के मुकाबले बहुत अधिक है। चिंताजनक यह है कि बीते 3 दिन के दौरान ही कोरोनावायरस संक्रमण के 10,000 से ऊपर नए मामले सामने आए हैं। अधिकांश क्षेत्रों में लॉक डाउन खुलने और प्रवासी मज.दूरों, छात्रों, तीर्थ यात्रियों की घर वापसी के साथ कोरोनावायरस संक्रमण के फैलाव की आशंका भी बढ़ती जा रही है। अनुमान है कि 15 मई तक संक्रमित लोगों का आंकड़ा एक

लाख के करीब पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की स्वास्थ्य सेवाओं के ऊपर अतिरिक्त भार भी आएगा। यद्यपि 28: से अधिक लोग ठीक हो कर घर जा रहे हैं उसके बाद भी प्रतिदिन नए कोरोनावायरस संक्रमित सामने आने से स्वास्थ्य विभाग के समक्ष चुनौती लगातार बढ़ रही है।

अहमदाबाद गुजरात में पिछले 24 घंटों में 388 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 7000 को पार कर गया हैद्य राज्य में 24 घंटों के दौरान 29 मरीजों की मौत के साथ मृतकों की संख्या 425 हो गई। जबकि 209 समेत अब तक 1709 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के और 388 केस सामने आए हैं। जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 275, अरवल्ली में 25, भावनगर में 1, दाहोद में 4, देवभूमि द्वारका में 1, गांधीनगर में 5, जामनगर में 4, खेडा में 3, राजकोट में 2, सूरत में 42, वडोदरा में 19, बनासकांठा में 3 और अन्य राज्य के एक समेत कुल 388 मामले हैंद्य वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 29 मरीजों की मौत हो गई है। अहमदाबाद में 23, बनासकांठा में 1, मेहसाणा में 1 और सूरत में 4 मरीजों की हुई है। वहीं राज्य में 209 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। जिसमें अहमदाबाद के 108, आणंद में 5, बनासकांठा में 8, भरुच में 3, छोटाउदेपुर में 1, गांधीनगर में 5, पाटन में 1, सूरत में 51 और वडोदरा में 27 लोग शामिल हैं। गुजरात में अब तक 100553 टेस्ट किए जा चुके हैंद्य जिसमें 7013 पॉजिटिव और 93540 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई हैद्य अब तक दर्ज कुल 7013 मरीजों में 4853 मरीजों की हालत स्थिर है और 26 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। जबकि 1709 लोग ठीक हो चुके हैं और 425 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है। राज्य में कुल 66861 लोग कोरन्टाइन हैं। जिसमें 61733 होम कोरन्टाइन, 4831 सरकारी कोरन्टाइन और 297 प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। डॉ. जयंति रवि ने बताया कि राज्यभर में अब तक कोरोना पॉजिटिव के कुल 7013 मामले सामने आ चुके हैं। जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद में 4991, वडोदरा में 440, सूरत में 799, राजकोट में 64, भावनगर में 83, आणंद 76, भरुच में 27, गांधीनगर में 88, पाटन में 24, पंचमहल में 51, बनासकांठा में 67, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 7, मेहसाणा में 42, बोटाद में 48, पोरबंदर में 3, दाहोद में 19, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 20, जामनगर में 9, मोरबी में 1, साबरकांठा में 10, अरवल्ली में 47, महीसागर में 42, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1, देवभूमि द्वारका में 4, जूनागढ़ में 2 और अन्य राज्य का एक केस शामिल है।

मेघरज से फरार कोरोनाग्रस्त मरीज आखिर पकड़ा गया

अरवल्ली । जिले के मेघरज से कोरोनाग्रस्त एक मरीज के फरार होने की घटना के बाद पुलिस–प्रशासन हरकत में आ गया और जल्द ही उसकी मेहनत रंग लाईद्य पुलिस ने कोरोना पॉजिटिव मरीज को अरवल्ली जिले की भिलोडा तहसील के रामेला गांव के निकट से पकड़ लिया और उसके खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया।

उत्तरी गुजरात के अरवल्ली जिले में बुधवार को एक साथ कोरोना पॉजिटिव के 25 मामले सामने आने से हड़कम्प मच गयाद्य जिले की भिलोडा तहसील में 10, मोडासा में 13, मेघरज में 1 और धनसुरा में 1 समेत कुल 25 कोरोना पॉजिटिव केस बुधवार को दर्ज होने से लोगों में दहशत फैल गईद्य इससे ज्यादा चिंता उस वक्त बढ़ गई जब एक कोरोना पॉजिटिव मरीज फरार हो गया। स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की टीम ने रातभर इस मरीज की तलाश की, लेकिन उसका कहीं अता पता नहीं मिला। चिंता इस बात को लेकर थी कि फरार मरीज कितनों को संक्रमित करेगा। हांलाकि पुलिस–प्रशासन की मेहनत रंग लाई और मरीज को भिलोडा तहसील के रामेला गांव के निकट से पकड़ लिया गया। कोरोनाग्रस्त 40 वर्षीय शख्स मेघरज का निवासी है और जब उसे पता चला कि उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है तो वह फरार हो गया। बता दें कि अरवल्ली जिले में अब तक कोरोना के कुल 47 मामले दर्ज हो चुके हैं।

महिला क्राइम ब्रांच के एसीपी समेत 54 मरिजों ने दी कोरोना को मात

अहमदाबाद । शहर में कोरोना का कहर जारी हैद्य ऐसे में आज अहमदाबाद शहर के क्राइम ब्रांच के महिला एसीपी मिनी जोसेफ समेत 54 मरिजो ने आज अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया।

राज्य के कोरोना वोरियर्स कोरोना की चपेट में आ रहे है। पुलिस, डॉक्टर और चिकित्सकर्मियों में कोरोना वायरस तेजी से बढ रह है। इस बीच अहमदाबाद शहर के क्राइम ब्रांच के महिला एसीपी में कोरोना वायरस का रिपोर्ट पोजिटिव दर्ज आया थाद्य आज महिला क्राइम ब्रांच एसीपी मिनी जा.ेसेफ ने कोरोना वायरस को मात दी है। एसीपी स्वस्थ होने पर उन्हें आज अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। महिला एसीपी के साथ अन्य 54 मरिज भी स्वस्थ होने पर उन्हें भी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।। गृहराज्य जाने के लिए कड़ी धूप में भूखे–प्यासे चक्कर काट रहे है प्रवासी श्रमिक

वडोदरा (ईएमएस)द्य शहर में लगातार कोरोना का कहर जारी हैद्य ऐसे में लोकडाउन के चलते शहर में फंसे प्रवासी श्रमिकों की हालत दयनीय हैद्य अपने गृहराज्य जाने के लिए श्रमिक कड़ी धूप में भूखे–प्यासे पास बनवाने के लिए चक्कर काट रहे हैद्य

पिछले 50 दिनों से वडोदरा में फंसे उत्तरप्रदेश, बिहार समेत विविध राज्यों के प्रवासी श्रमिक जल्द से जल्द अपने वतन लौटना चाहते हैद्य कोरोना वायरस के चलते 17 मई तक लोकडाउन बढा दिया गया हैद्य लोकडाउन के चलते श्रमिकों की हालत काफी दयनीय हो चुकी हैद्य अपने गृहराज्य जाने के लिए श्रमिकों को प्रशासन द्वारा स्पोट्‌र्स कोम्प्लेक्स में

गृहराज्य जाने के लिए कड़ी धूप में भूखे–प्यासे चक्कर काट रहे है प्रवासी श्रमिक

वडोदरा । शहर में लगातार कोरोना का कहर जारी है। ऐसे में लोकडाउन के चलते शहर में फंसे प्रवासी श्रमिकों की हालत दयनीय है।अपने गृहराज्य जाने के लिए श्रमिक कड़ी धूप में भूखे–प्यासे पास बनवाने के लिए चक्कर काट रहे है।

पिछले 50 दिनों से वडोदरा में फंसे उत्तरप्रदेश, बिहार समेत विविध राज्यों के प्रवासी श्रमिक जल्द से

जल्द अपने वतन लौटना चाहते हैद्य कोरोना वायरस के चलते 17 मई तक लोकडाउन बढा दिया गया है। लोकडाउन के चलते श्रमिकों की हालत काफी दयनीय हो चुकी है। अपने गृहराज्य जाने के लिए श्रमिकों को प्रशासन द्वारा स्पोट्‌र्स कोम्प्लेक्स में रखा गया है। जहां श्रमिकों को स्क्रिनींग और फोर्म भरवाया गया थाद्य हालांकि प्रशासन की लापरवाही के चलते पास निकलवाने के लिए श्रमिकों को दो कि.मी. दूर चलकर उत्तर जोन की ओफिस भूखे–प्यासे जाना पड़ाद्य श्रमिकों की बढती भीड को देखते हुए अधिकारियों ने श्रमिक कचहरी के बाहर ही बैठ गए। गृहराज्य जाने के लिए श्रमिक कड़ी धूप में दो कि.मी. तक पैदल चलकर समा स्पोट्‌र्स कोम्प्लेक्स से समा तालाब के पास मनपा की उत्तर जोन की कचहरी जाना पडाद्य वतन जाने के लिए भूखे–प्यासे श्रमिक घंटों तक स्पोट्‌र्स कोम्प्लेक्स में बैठे रहे जहां मेडिकल स्क्रिनिंग और फोर्म भरने की कार्रवाई की गई। इसके बाद पास निकलवाने के लिए 2 कि.मी. दूर मनपा कचहरी जाना पड़ रहा है। श्रमिक वहां पहुंचने पर अधिकारियों द्वारा ओफिस बंद कर देने पर श्रमिक कचहरी के बाहर ही बैठ गए।

श्रमिकों द्वारा प्रशासन की लापरवाही के प्रति रोष प्रकट किया ।

राजकोट–अहमदाबाद के बीच आवागमन पर प्रतिबंध एम्ब्युलैंस और मेडिकल इमर्जंसी सेवा को छूट

राजकोट । गुजरात में लगातार कोरोना मामले को देखते हुए राजकोट जिला कलेक्टर ने राजकोट–अहमदाबाद के बीच आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। केवल एम्ब्युलैंस और मेडिकल इमर्जंसी सेवा को छूट दी गई हैद्य बता दें कि राजकोट जिले में कोरोना के अब तक 65 जितने मामले दर्ज हो चुके हैं।

लेकिन अहमदाबाद में कोरोना का आंकड़ो साढ़े चार हजार को पार कर गया है।

राजकोट जिला कलेक्टर रेम्या मोहन के आदेश के मुताबिक कोई भी व्यक्ति राजकोट से अहमदाबाद और अहमदाबाद से रा.जकोट आवागमन नहीं कर सकेगा। शहर में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राजकोट कलेक्टर ने यह फैसला किया है।

हांलाकि एम्ब्युलैंस और इमर्जंसी सेवाओं को छूट दी गई। दरअसल अहमदाबाद से एक शख्स राजकोट गया था और उसके बाद उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इस घटना के बाद राजकोट–अहमदाबाद–राजकोट के बीच आवागमन पर रोक लगा दी गई है। बीते दिन राजकोट पुलिस आयुक्त ने एक अधिसूचना जारी कर शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक लोगों के बाहर निकलने पर रोक लगा दी थीद्य इस दौरान मेडिकल स्टोर को छोड़ सभी दुकानें बंद रहेंगी। हांलाकि राजकोट फिलहाल ऑरेंज जोन में है और शहर में कोरोना को फैलने से रोकने के लिए ऐहतियातन लॉकडाउन सख्ती से अमल किया जा रहा हैद्य पुलिस आयुक्त ने कहा है कि शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे के दौरान यदि कोई बेवजह घर से बाहर निकलता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लॉकडाउन के चलते कामगारों की कमी होने के बावजूद आगामी मानसून सीजन के लिए पश्चिम रेलवे तैयार

अहमदाबाद (ईएमएस)द्य आगामी मानसून के दौरान गाड़ियों का सुचारू संचालन और अबाधित सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए पश्चिम रेलवे पर मानसून पूर्व तैयारियों का कार्य लॉकडाउन के बावजूद बड़े पैमाने पर चल रहा है। पश्चिम रेलवे ने मानसून पूर्व अपनी तैयारियों को अत्यंत विपरीत परिस्थितियों के बावजूद लगातार जारी रखा है, ताकि जब कोरोना वायरस के कारण लगे राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को हटाया जाये, तो बिना किसी समस्या के रेलगाड़ियों का निर्बाध परिचालन हो सके। पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड पर हर साल भारी बारिश के कारण होने वाले जल–जमाव को मद्देनज़र रखते हुए मानसून के दौरान लोकल ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविंद्र भाकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन मानसून पूर्व कार्यों के अंतर्गत कलवर्टों को साफ करने, उनमें से गंदगी, कीचड़ आदि निकालकर उन्हें गहरा करने, किनारे की नालियों को भी साफ करके उन्हें गहरा करने, हाई पावर डीज़ल और इलेक्ट्रिक पंपों को संस्थापित करने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर का विशेष अनुरक्षण करने आदि कार्य मुख्य रूप से शामिल हैं। कलवर्टों की सफ़ाई करने का कार्य 10 जून, 2020 और नालियों की सफाई का कार्य 5 जून, 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा। नियमित फील्ड कर्मचारियों का केवल 10 से 15: कार्यबल उपलब्ध होने के बावजूद यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मुंबई उपनगरीय सेक्शन चर्चगेट – विरार के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार मानसून पूर्व तैयारियों से सम्बंधित महत्वपूर्ण कार्य तयशुदा समय पर पूरे हो जायें।

मानसून के लिए की गई और की जानेवाली मानसून पूर्व विशेष कार्रवाई:

विद्यमान 55 कलवर्टों की सफाई से पूर्व सम्बंधित महानगरपालिकाओं अर्थात एमसीजीएम, एमबीएमसी तथा वीवीसीएमसी के साथ संयुक्त निरीक्षण का कार्य पूर्ण किया गया है। कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण श्रमशक्ति की कमी के बावजूद भी 6 कलवर्टों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष कलवर्टों की सफाई का कार्य 10 जून, 2020 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

5 जून, 2020 तक कुल 41 किलोमीटर लम्बे नालों की सफाई का कार्य पूर्ण किया जायेगा, जिनमें से 5.5 किलोमीटर (14:) नालों की सफाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

पश्चिम रेलवे ने आवश्यक स्थानों पर 153 डीज़ल एवं इलेक्ट्रिकल पम्प उपलब्ध कराने की योजना तैयार की है। 10 मई, 2020 से इन पम्पों को लगाने का कार्य प्रारम्भ किया जाएगा तथा 5 जून, 2020 तक इस कार्य को पूरा कर लिया जाएगा।

जेसीबी, पोकलेन, मानव श्रम एवं कीचड़ वहन करने हेतु विशेष रूप से मॉडिफाइड ईएमयू 'मक ट्रेन' द्वारा अब तक 2,50,000 क्यूबिक मीटर कीचड़ / कूड़ों को हटाया गया है। इस कार्य को 30 मई, 2020 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

ट्रैक टेंपिंग मशीन के उपयोग द्वारा 32.581 किलोमीटर ट्रेक को 50 दृ 150 एम एम तक ऊँचा किया जाना है। यह कार्य प्रगति पर है तथा 30 मई, 2020 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

रेलवे ने 10 ऑटोमेटिक रेन गेज उपलब्ध कराई है। साथ ही 36 फ्लड गेज भी उपलब्ध कराने की योजना है। कार्य प्रगति पर है तथा 25 मई, 2020 तक यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

मानसून के दौरान वर्षा के जल की सुप्रवाही तरीके से निकासी कराने हेतु वसई – विरार खंड में माइक्रो टनलिंग पद्धति के उपयोग से अतिरिक्त जल निकास द्वार उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

ट्रैक के नज़दीक मौजूद आघात सम्भावित वृक्षों की कटाई और काट–छॉट के लिए नगर निगम एवं पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण किया जा रहा है। अब तक कुल 76 आघात सम्भावित वृक्षों की पहचान की गई है और 158 वृक्षों की छॅंटाई की गई है। ज़रूरी कटाई एवं छॅंटाई का कार्य 30 मई, 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

चर्चगेट–विरार सेक्शन के बीच ट्रैक सर्किट एवं यार्डों का संयुक्त निरीक्षण भी किया जा रहा है और इसे भी 30 मई, 2020 तक पूरा कर लिया जाएगा।

पवई लेक, विहार लेक, तुलसी लेक का निरीक्षण राज्य सरकार के प्राधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से पूरा कर लिया गया है।

राजकोट–अहमदाबाद के बीच आवागमन पर प्रतिबंध एम्ब्युलैंस और मेडिकल इमर्जंसी सेवा को छूट

राजकोट (ईएमएस)द्य गुजरात में लगातार कोरोना मामले को देखते हुए राजकोट जिला कलेक्टर ने राजकोट–अहमदाबाद के बीच आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया हैद्य केवल एम्ब्युलैंस और मेडिकल इमर्जंसी सेवा को छूट दी गई हैद्य बता दें कि राजकोट जिले में कोरोना के अब तक 65 जितने मामले दर्ज हो चुके हैंद्य

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)